website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 259 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 27 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अमित शाह ने वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम कार्यशाला का शुभारंभ किया

-सीमांत गांवों को सशक्त बनाने का लक्ष्य

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में दो दिवसीय वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (VVP) कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस कार्यशाला का आयोजन गृह मंत्रालय के बॉर्डर मैनेजमेंट डिवीजन ने किया। इस अवसर पर अमित शाह ने कार्यक्रम का लोगो भी लॉन्च किया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, गृह सचिव, खुफिया ब्यूरो के निदेशक, बॉर्डर मैनेजमेंट सचिव, सीमा राज्यों के मुख्य सचिव, सुरक्षा बलों के महानिदेशक और संबंधित जिलों के जिलाधिकारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस दौरान अमित शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम तीन मुख्य बिंदुओं पर आधारित है- पहला, सीमांत गांवों से पलायन रोकना; दूसरा, हर नागरिक को केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का 100% लाभ दिलाना; और तीसरा, इन गांवों को राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने का साधन बनाना। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब इस कार्यक्रम की परिकल्पना की थी तो यह तय हुआ था कि इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इसके तहत सीमांत गांवों को सभी सुविधाओं से लैस किया जाएगा और इन्हें देश की सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाएगा।

गृह मंत्री ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में इस योजना के लागू होने के बाद कई सीमा गांवों की आबादी बढ़ी है, जो एक सकारात्मक संदेश है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि हर गांव में होम स्टे जैसी योजनाओं का विस्तार हो और राज्य सरकारें बुकिंग की व्यवस्था करें तो सीमा गांवों का कोई भी घर खाली नहीं रहेगा और रोजगार भी बढ़ेगा। उन्होंने जिला कलेक्टरों से अपील की कि वे डेयरी सहकारी समितियां बनाकर सीएपीएफ और सेना को सीधे दूध की आपूर्ति सुनिश्चित करें। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पलायन अपने आप रुक जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि सीमा गांवों में दूरसंचार, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कार्यक्रम केवल सरकारी योजना न रहकर प्रशासन की कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने मनरेगा के तहत तालाब निर्माण, गहन वृक्षारोपण और स्थायी ढांचे बनाने जैसे कामों पर भी ध्यान देने की बात कही।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन का जिक्र करते हुए कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव (demographic change) हमारे लिए चिंता का विषय है सीमा जिलों के कलेक्टरों को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा क्योंकि यह देश की सुरक्षा से सीधे जुड़ा है। शाह ने यह भी कहा कि कम से कम 30 किलोमीटर सीमा क्षेत्र तक सभी अवैध धार्मिक अतिक्रमणों को हटाया जाना चाहिए। गुजरात ने इस दिशा में सराहनीय काम किया है, जहां समुद्री और स्थलीय सीमाओं पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाए गए हैं।

गृह मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि सीएपीएफ स्वास्थ्य, खेल और शिक्षा के क्षेत्र में भी सीमा गांवों की मदद कर सकते हैं। उन्होंने उदाहरण दिया कि अरुणाचल में आईटीबीपी ने दूध, सब्जियां, अंडे और अनाज जैसी दैनिक जरूरत की चीजें स्थानीय गांवों से खरीदकर एक सफल प्रयोग किया है, जिसे पूरे देश के सीमा गांवों में लागू किया जाना चाहिए।

बिहार में दिव्यांगजन उद्यमी योजना और कई अहम प्रस्तावों को मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार सरकार ने मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए नई "मुख्यमंत्री दिव्यांगजन उद्यमी योजना" को मंजूरी दी है। यह योजना समाज कल्याण विभाग की "सम्बल" योजना के तहत शुरू होगी और उद्योग विभाग की मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक उद्यमी योजना की तर्ज पर चलाई जाएगी। इस योजना का मकसद दिव्यांगजन को स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में प्रोत्साहित करना है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इसके संचालन के लिए 10.25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल 26 एजेंडों पर मुहर लगी। इनमें सबसे अहम फैसला बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज, 2025 को मंजूरी देना रहा। इसके साथ ही सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत डीलर कमीशन में बढ़ोतरी का भी फैसला लिया। पहले यह दर 90 रुपये प्रति क्विंटल थी (45 रुपये केन्द्रांश और 45 रुपये राज्यांश), लेकिन अब इसे सितंबर 2025 से बढ़ाकर 258.40 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया जाएगा। इसमें 90 रुपये केन्द्र और राज्यांश से तथा 47 रुपये अतिरिक्त राज्य योजना से जोड़े जाएंगे।

बैठक में बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन के लिए राज्य रणनीति एवं कार्य योजना, 2025 को भी स्वीकृति दी गई। साथ ही, बिहार में नए अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर हवाई संपर्क बढ़ाने की नीति को भी मंजूरी मिली। किसानों से जुड़े फैसले में, राज्य सरकार ने किसान सलाहकारों के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब किसान सलाहकारों को पहले की तरह 13,000 रुपये नहीं बल्कि 21,000 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। यह संशोधित दर 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। इसके लिए सरकार ने 67.87 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करने की स्वीकृति दी है।

बैठक में लिए गए इन फैसलों को सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक विकास, खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत-कुवैत के बीच रणनीतिक साझेदारी की मजबूती पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कुवैत के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर नई दिल्ली में मंगलवार को विदेश कार्यालय परामर्श के सातवें दौर की बैठक हुई। इस बैठक में दोनों देशों ने राजनीतिक, व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा, संस्कृति और जन-से-जन संपर्क जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (गल्फ) असीम महाजन और कुवैत के विदेश मंत्रालय में एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री समीह ईसा जोहर हयात ने की। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बैठक में द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की गई और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

बैठक में यह भी तय हुआ कि दोनों पक्ष दिसंबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुवैत यात्रा के दौरान बने रोडमैप के कार्यान्वयन पर मिलकर काम जारी रखेंगे। साथ ही, संयुक्त आयोग के तहत गठित संयुक्त कार्य समूहों की बैठकें जल्द से जल्द आयोजित करने पर सहमति बनी। अधिकारियों ने यह भी निर्णय लिया कि अगली विदेश कार्यालय परामर्श बैठक कुवैत में आपसी सहमति से तय की जाने वाली तारीख पर होगी। इस दौरान समीह ईसा जोहर हयात ने परराष्ट्र मंत्रालय के सचिव (सीपीवी एंड ओआईए) अरुण कुमार चटर्जी से भी मुलाकात की।

विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि भारत और कुवैत के बीच ऐतिहासिक और बहुआयामी संबंध रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 10.2 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा। वहीं, कुवैत में रह रहे दस लाख से अधिक भारतीय समुदाय दोनों देशों के बीच मजबूत जन-से-जन संबंधों का उदाहरण हैं। उल्लेखनीय है कि भारत 1961 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद कुवैत के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था। पहले भारत वहां एक वाणिज्य आयुक्त के माध्यम से प्रतिनिधित्व करता था। दिसंबर 2024 की प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों के संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक उन्नत किया गया था।

कटरा-वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से बड़ा हादसा, 5 श्रद्धालुओं की मौत और 14 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के बीच आज मंगलवार को कटरा से माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर बड़ा हादसा हो गया। त्रिकुटा पहाड़ियों के अर्धकुंवारी इलाके में भूस्खलन से 5 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। यह जानकारी माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। श्राइन बोर्ड ने लिखा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और बचाव कार्य लगातार जारी है।

यह हादसा उस समय हुआ जब श्रद्धालु माता के भवन की ओर बढ़ रहे थे। भूस्खलन की खबर मिलते ही एनडीआरएफ, श्राइन बोर्ड के कर्मचारी और जिला प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। फिलहाल वैष्णो देवी यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है ताकि किसी और दुर्घटना से बचा जा सके।

जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों से लगातार भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका बनी हुई थी। मौसम विभाग ने पहले ही यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह दी थी। जिला प्रशासन और पुलिस लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं और यात्रियों से अपील की गई है कि वे मौसम की स्थिति को देखते हुए ही यात्रा करें।

उधर, मंगलवार को ही जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भी भारी बारिश ने तबाही मचाई। वहां अचानक आई बाढ़ में 4 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से 2 लोगों की मौत बाढ़ में बह जाने से हुई, जबकि 2 अन्य की मौत का कारण भी भारी बारिश ही रहा। पिछले 24 घंटों से लगातार बारिश ने जम्मू संभाग के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति को और बिगाड़ दिया है।

ओम बिरला 29 अगस्त को भुवनेश्वर में राष्ट्रीय सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 29 अगस्त 2025 को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) कल्याण समितियों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय यह सम्मेलन 29 और 30 अगस्त तक चलेगा। उद्घाटन सत्र में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुआल ओराम, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और संसदीय समिति के अध्यक्ष डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते भी संबोधित करेंगे। इस मौके पर संसद और राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं की SC-ST समितियों के अध्यक्ष और सदस्य, ओडिशा सरकार के मंत्री और विधायक भी शामिल होंगे।

सम्मेलन में 120 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इसका मुख्य विषय-"SCऔर ST के कल्याण, विकास और सशक्तिकरण में संसदीय और विधायी समितियों की भूमिका" रखा गया है। इसमें संवैधानिक संरक्षण को मजबूत करने सामाजिक-आर्थिक विकास बढ़ाने और बेहतर कार्यशैली साझा करने पर चर्चा होगी। साथ ही, सम्मेलन में इस बात पर भी जोर दिया जाएगा कि कैसे समितियां नीतियों के क्रियान्वयन में जवाबदेही सुनिश्चित कर सकती हैं, ताकि 2047 तक समावेशी विकसित भारत का सपना पूरा हो सके।

सम्मेलन के समापन सत्र में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरी बाबू कंभपति, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते, ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाध्य और उपमुख्यमंत्री के. वी. सिंह देव व प्रवती परीडा उपस्थित रहेंगे। ओडिशा विधानसभा की SC-ST समिति के अध्यक्ष भास्कर मदेही धन्यवाद ज्ञापन करेंगे।

गौरतलब है कि इस तरह का पहला सम्मेलन 1976 में नई दिल्ली में हुआ था। इसके बाद 1979, 1983, 1987 और 2001 में भी सम्मेलन आयोजित किए गए। हालांकि, यह पहली बार है जब ऐसा राष्ट्रीय सम्मेलन दिल्ली के बाहर आयोजित किया जा रहा है।

पीएम मोदी जापान में शिखर वार्ता और चीन में एससीओ बैठक में शामिल होंगे- विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अगस्त से 1 सितंबर तक जापान और चीन की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह जापान में 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन और चीन में शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) की 25वीं बैठक में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी की आगामी जापान और चीन यात्रा के बारे में विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी।

पीएम मोदी 28 अगस्त की शाम को जापान की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे

पीएम मोदी की आगामी जापान यात्रा पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी 28 अगस्त की शाम को जापान की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। वह जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए 29 और 30 अगस्त को जापान में रहेंगे।"

पीएम मोदी ने 2018 में वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापान यात्रा की थी

उन्होंने कहा, "यह कई कारणों से एक महत्वपूर्ण यात्रा है। यह प्रधानमंत्री मोदी की प्रधानमंत्री इशिबा के साथ पहली वार्षिक शिखर बैठक है। यह लगभग 7 वर्षों में उनकी पहली जापान यात्रा भी है। इससे पहले वर्ष 2018 में वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए यात्रा की थी। तब से, उन्होंने जापान का दौरा किया है, लेकिन वे बहुपक्षीय कार्यक्रमों और अन्य औपचारिक कार्यक्रमों के लिए रहा है। यह एक ऐसी यात्रा होगी जो पूरी तरह से भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय एजेंडे के लिए समर्पित होगी। 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद से यह प्रधानमंत्री की जापान की आठवीं यात्रा भी है और यह हमारे विदेशी संबंधों में इस विशेष संबंध की उच्च प्राथमिकता को दर्शाता है।"

31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के तियानजिन का दौरा करेंगे

प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा पर विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा, "पीएम मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की 25वीं बैठक के लिए चीन के तियानजिन का दौरा करेंगे। एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की तीन बुराइयों का मुकाबला करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ की गई थी, जो अभी भी एक चुनौती बनी हुई हैं।"

पीएम मोदी एससीओ शिखर **सम्मेलन के दौरान कुछ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे**

उन्होंने कहा कि एससीओ में भारत सहित 10 सदस्य देश हैं, जिनमें बेलारूस, चीन, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। तियानजिन में आगामी 25वें एससीओ शिखर सम्मेलन के कार्यक्रम में 31 अगस्त की शाम को एक स्वागत भोज शामिल है। वहीं, मुख्य शिखर सम्मेलन 1 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री द्वारा एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान कुछ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है।

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण में अब तक 1.62 लाख आपत्तियां दर्ज- चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया जारी है। चुनाव आयोग (ECI) ने मंगलवार को बताया कि 1 अगस्त से शुरू हुए दावे और आपत्तियों के दौर में अब तक 1,62,453 आवेदन व्यक्तिगत मतदाताओं से प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 17,516 आवेदनों का निपटारा किया जा चुका है। आयोग के मुताबिक दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 1 सितंबर है, यानी अब केवल पांच दिन बाकी हैं। इन आवेदनों में नए नाम जोड़ने के साथ-साथ पुराने नाम हटाने की मांग भी शामिल है। आयोग ने बताया कि अब तक केवल सीपीआई(एमएल) लिबरेशन एकमात्र राजनीतिक दल है जिसने 10 आपत्तियां दर्ज कराई हैं। आयोग ने राजनीतिक दलों द्वारा सक्रिय भागीदारी की कमी पर चिंता जताई और याद दिलाया कि बार-बार अपील के बावजूद अन्य दलों ने इस प्रक्रिया में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई। SIR की शुरुआत 24 जून को हुई थी और 1 अगस्त को ड्राफ्ट रोल प्रकाशित कर सभी 12 मान्यता प्राप्त दलों के साथ साझा किए गए थे।

चुनाव आयोग के अनुसार, 1 अगस्त से अब तक 4,33,214 नए युवा मतदाताओं, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, ने नाम शामिल करने के लिए आवेदन किया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में त्रुटिरहित नाम शामिल करना लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है। प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए सूची पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत बनाई जाती है।

आयोग ने बताया कि लगभग 1.6 लाख बूथ-लेवल एजेंट्स (BLA) को इस प्रक्रिया में भाग लेने का मौका दिया गया है। इनमें आरजेडी के 47,506, कांग्रेस के 17,549 और वामपंथी दलों के 2,000 से अधिक बीएलए शामिल हैं, जो मिलकर 67,000 से ज्यादा प्रतिनिधियों का हिस्सा बनते हैं। नियमों के अनुसार, किसी भी नाम को ड्राफ्ट सूची से तभी हटाया जा सकता है जब संबंधित निर्वाचन पदाधिकारी (ERO/AERO) द्वारा सात दिन का नोटिस जारी कर सुनवाई और जांच पूरी की जाए। जिन नामों को ड्राफ्ट रोल में शामिल नहीं किया गया है, उनकी सूची और कारण जिला निर्वाचन अधिकारियों (DEO), जिला मजिस्ट्रेट (DM) और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) की वेबसाइटों पर उपलब्ध कराई गई है।

ये सूची EPIC नंबर के माध्यम से सर्च की जा सकती है। जिन लोगों का नाम छूट गया है, वे आधार कार्ड सहित आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म 6 भरकर दावा कर सकते हैं। इसी तरह, यदि किसी मतदाता के नाम पर आपत्ति है तो फॉर्म 7 भरकर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। नियमों के अनुसार, यहां तक कि किसी निर्वाचन क्षेत्र का गैर-मतदाता भी निर्धारित घोषणा या शपथ पत्र देकर आपत्ति दर्ज कर सकता है।

जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश से चिनाब का जलस्तर बढ़ा, चेतावनी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के चलते मंगलवार को चिनाब नदी का जलस्तर बढ़कर 899.3 मीटर पहुंच गया। डिप्टी कमिश्नर हरविंदर सिंह ने बताया कि लगातार हो रही बारिश और बादल फटने की घटनाओं के कारण नेशनल हाईवे 244 बह गया है। हरविंदर सिंह ने कहा कि पिछले तीन दिनों से चिनाब नदी के तटीय इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। इस बीच दो स्थानों से बादल फटने की खबरें सामने आई हैं। इसके चलते 15 आवासीय मकान, एक गोशाला और एक निजी स्वास्थ्य केंद्र को नुकसान पहुंचा है। वहीं तीन पैदल पुल भी बह गए हैं। चिनाब का अधिकतम बाढ़ स्तर 900 मीटर है और वर्तमान में यह 899.3 मीटर पर पहुंच चुका है, यानी सिर्फ एक मीटर से थोड़ा ज्यादा अंतर बाकी है। उन्होंने आगे बताया कि नदी के किनारे और आसपास की सड़कों पर आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया गया है। हरविंदर सिंह ने कहा "बारिश की रफ्तार को देखते हुए हमें आशंका है कि अधिकतम बाढ़ स्तर पार हो सकता है। हमने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया है और चेनाब के किनारे आवाजाही रोकी गई है,"। इसके पहले दिन में केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने द्रास (लद्दाख) के पास एक हादसे की जानकारी दी। उनके काफिले से आगे एक वाहन नदी में गिर गया, लेकिन समय रहते दोनों लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

कैशलेस उपचार सुविधा को झंझटों से दूर रखना ज़रूरी

आज के समय में स्वास्थ्य बीमा केवल एक वित्तीय सुरक्षा कवच नहीं, बल्कि लोगों के लिए जीवन रक्षक व्यवस्था बन चुका है। अचानक बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में अस्पताल का खर्चा आम आदमी की सामर्थ्य से कहीं ज़्यादा होता है। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत दी जाने वाली कैशलेस सुविधा मरीज और उसके परिवार को मानसिक सुकून देती है। क्योंकि कैशलेस उपचार का मतलब है कि बीमा कंपनी अस्पताल का बिल सीधे चुकाएगी और मरीज का परिवार आर्थिक बोझ से बच जाएगा। लेकिन हाल के दिनों में जिस तरह बीमा कंपनियों और निजी अस्पतालों के बीच टकराव बढ़ रहा है, उससे लाखों बीमाधारकों की यह सुविधा खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। असल में यह विवाद बीमा कंपनियों और अस्पतालों के बीच कॉन्ट्रेक्ट दरों को लेकर है। बीमा कंपनियां पुरानी दरों में बढ़ोतरी करने को तैयार नहीं हैं, जबकि अस्पतालों का कहना है कि मेडिकल उपकरण, दवाइयां और अन्य सेवाओं की लागत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में वे पुरानी दरों पर सेवाएं नहीं दे सकते। दूसरी तरफ बीमा नियामक संस्था 'इरडा' ने अस्पतालों के लिए कॉमन इम्पैनलमेंट प्रस्ताव लाने की पहल की है, जिससे एक ही तरह की शर्तों पर अस्पताल और बीमा कंपनियां काम करें। लेकिन यह प्रस्ताव भी विवाद का कारण बन गया है और मरीज इसके बीच पिस रहे हैं। कैशलेस बीमा का सबसे बड़ा लाभ यही है कि मरीज को इलाज के समय पैसे जुटाने की चिंता नहीं करनी पड़ती। आपातकालीन हालात में जहां हर मिनट कीमती होता है, वहां अगर परिवार पहले लाखों रुपये अस्पताल को जमा करे और फिर महीनों बाद बीमा कंपनी से रकम वापस ले तो उस स्थिति को अमानवीय ही कहा जाएगा। दुर्भाग्य यह है कि मौजूदा हालात में यही स्थिति बनती जा रही है। बहुत से मरीजों को कैशलेस सुविधा न मिलने के कारण पहले अपना जेब ढीला करना पड़ रहा है और फिर कागज़ी औपचारिकताओं की लंबी दौड़ में उलझना पड़ रहा है। यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि आखिर स्वास्थ्य बीमा कराने के बावजूद अगर मरीज को अस्पताल में कैशलेस सुविधा न मिले तो बीमा का असली उद्देश्य ही क्या रह जाता है? लोग बीमा इसलिए कराते हैं कि अचानक बीमारी की स्थिति में उन्हें आर्थिक बोझ न उठाना पड़े। अगर वही बोझ पहले उठाना पड़े और फिर लंबी प्रक्रिया के बाद पुनर्भुगतान मिले तो यह पूरे बीमा मॉडल पर सवाल खड़ा करता है। सरकार और नियामक संस्थाओं की ज़िम्मेदारी बनती है कि इस विवाद का समाधान तुरंत निकाला जाए। बीमा कंपनियों को यह समझना होगा कि स्वास्थ्य क्षेत्र केवल व्यापार नहीं है, बल्कि यह सीधे इंसानी ज़िंदगियों से जुड़ा है। वहीं अस्पतालों को भी यह मानना होगा कि मुनाफ़े की दौड़ में मरीज की परेशानी को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। दोनों पक्षों को मिलकर एक ऐसा संतुलित रास्ता निकालना होगा जिससे अस्पतालों को उचित दरें मिलें और बीमा कंपनियों पर भी अतिरिक्त बोझ न पड़े। आम लोगों के लिए सबसे बड़ी ज़रूरत है कि कैशलेस सुविधा बिना किसी रुकावट के जारी रहे।

ऑनलाइन गेमिंग कानून: देश में तकनीक का उपयोग तो होगा लेकिन समाज के हित को ध्यान में रखकर

-लालच की चूहेदानी और सेल्मा लैंगरलीफ की चेतावनी

मनुष्य हमेशा से खेलों का शौकीन रहा है। समय के साथ खेलों का स्वरूप बदलता गया। कभी यह खेल मिट्टी, पत्थर और लकड़ी से खेले जाते थे, तो कभी मैदानों और अखाड़ों में। लेकिन तकनीक की तेज़ रफ़्तार ने खेलों को मोबाइल और कंप्यूटर की स्क्रीन पर ला खड़ा किया। यही ऑनलाइन गेमिंग है। ऑनलाइन गेमिंग ने युवाओं को एक नई दुनिया दी, जहां वे वर्चुअल किरदारों के साथ खेल सकते हैं, दोस्तों से ऑनलाइन जुड़ सकते हैं और कभी-कभी पैसे भी कमा सकते हैं। लेकिन यही आकर्षण धीरे-धीरे लालच और लत में बदल गया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि इसे रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने पड़े। स्वीडिश लेखिका सेल्मा लैंगरलीफ ने अपनी लघुकथा "द रेंट ट्रैप" में दुनिया को चूहेदानी से तुलना करते हुए बताया था कि लालच इंसान को किस तरह फंसा लेता है। भारत में ऑनलाइन गेमिंग भी एक चूहेदानी की तरह साबित होने लगा। लोग पैसे कमाने या मनोरंजन के लालच में इसमें फंसते चले गए। नतीजा – शिक्षा पर असर, कर्ज़ का बोझ, मानसिक बीमारियाँ और सामाजिक दूरी। यही कारण था कि भारत सरकार ने "प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025" लाकर ऑनलाइन गेमिंग के जाल को नियंत्रित किया। यह कानून सिर्फ प्रतिबंध नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और अर्थव्यवस्था की स्थिरता का एक संतुलित समाधान है।

भारत में ऑनलाइन गेमिंग का सफ़र

भारत में ऑनलाइन गेमिंग की शुरुआत इंटरनेट और स्मार्टफोन के विस्तार के साथ हुई। 2005–2010: इंटरनेट कैफे और शुरुआती पीसी गेम्स। 2010–2015: स्मार्टफोन और 4G तकनीक के आने से मोबाइल गेमिंग की लहर। 2016–2020: पबजी, फ्री फायर, कैण्डी क्रश, क्लैश ऑफ क्लैन्स जैसे गेम्स ने भारतीय युवाओं को पूरी तरह अपने कब्ज़े में ले लिया। 2020 के बाद: कोविड महामारी ने स्थिति को और गंभीर कर दिया। घर में बंद युवा ऑनलाइन गेमिंग में डूब गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2025 से पहले करीब 59.1 करोड़ गेमर्स सक्रिय थे। यह दुनिया की गेमिंग आबादी का लगभग 20% हिस्सा है।

ऑनलाइन गेमिंग के नकारात्मक प्रभाव

शिक्षा और करियर पर असर

ऑनलाइन गेम्स की लत ने पढ़ाई पर सीधा असर डाला। घंटों-घंटों स्क्रीन पर समय बिताने वाले छात्र अपने करियर से भटक गए।

आर्थिक संकट

कई युवाओं ने गेमिंग ऐप्स पर पैसा कमाने की उम्मीद में कर्ज लिया। लेकिन हारने पर कर्ज का बोझ और आर्थिक बरबादी ने उन्हें परिवार और समाज से दूर कर दिया।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ

तनाव, चिंता, नींद न आना, गुस्सा और चिड़चिड़ापन, अवसाद (डिप्रेशन) ये सभी लक्षण युवाओं और बच्चों में तेजी से बढ़े।

हिंसा और आक्रामकता

हिंसक गेम्स जैसे शूटिंग, बैटल रॉयल आदि ने युवाओं में आक्रामकता को बढ़ाया। कई बार यह आक्रामकता असली जीवन में भी दिखाई दी।

सामाजिक अलगाव

गेमिंग की लत ने युवाओं को परिवार और समाज से काट दिया। वे वर्चुअल दुनिया में तो सक्रिय थे, लेकिन वास्तविक रिश्ते कमजोर हो रहे थे।

सरकार की चिंता और हस्तक्षेप की आवश्यकता

जब लाखों परिवार इस समस्या से जूझने लगे, तो सरकार को हस्तक्षेप करना पड़ा। यह सिर्फ व्यक्तिगत नुकसान का मामला नहीं था, बल्कि समाज और अर्थव्यवस्था पर भी इसका गहरा असर था।

युवा शक्ति का ह्रास – भारत जैसे युवा देश में, जहां 65% आबादी 35 साल से कम उम्र की है, वहां युवाओं का भटकाव राष्ट्रीय विकास के लिए खतरे की घंटी है। आर्थिक नुकसान – गेमिंग ऐप्स से विदेशी कंपनियां तो मुनाफा कमा रही थीं, लेकिन भारतीय युवाओं का पैसा लगातार बाहर जा रहा था। कानूनी चुनौतियाँ – जुआ और बेटिंग जैसे गेम्स की आड़ में गैरकानूनी गतिविधियाँ बढ़ रही थीं।

प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025

भारत सरकार ने इस स्थिति को देखते हुए 2025 में नया कानून लागू किया। इसका उद्देश्य संतुलित समाधान देना था – तकनीक का इस्तेमाल भी हो और समाज के हित की रक्षा भी।

कानून की मुख्य विशेषताएँ

ऑनलाइन गेमिंग ऐप्स पर प्रतिबंध

किसी भी तरह के सट्टेबाजी, पैसों वाले या नुकसानदायक गेम पूरी तरह प्रतिबंधित।

विज्ञापन और प्रचार पर रोक

टीवी, अख़बार, सोशल मीडिया पर ऑनलाइन गेमिंग का प्रचार अब गैरकानूनी।

वित्तीय लेन-देन पर रोक

किसी भी ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए पैसे का लेन-देन करना अपराध घोषित।

मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान

युवाओं को गेमिंग की लत से बाहर निकालने के लिए हेल्पलाइन और काउंसलिंग व्यवस्था।

तकनीक का सकारात्मक इस्तेमाल

शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट, साइंस और आर्ट्स आधारित गेम्स को बढ़ावा।

समाज और युवाओं पर नए कानून के फायदे

शिक्षा में सुधार

अब विद्यार्थी पढ़ाई पर अधिक ध्यान दे पाएंगे। गेमिंग की लत से मुक्त होकर उनका समय और ऊर्जा सही दिशा में लगेगी।

आर्थिक मजबूती

कर्ज और बरबादी से बचाव होगा। परिवार की आय सुरक्षित रहेगी।

मानसिक स्वास्थ्य में सुधार

तनाव और चिंता जैसी समस्याएँ कम होंगी।

सामाजिक जुड़ाव

परिवार और समाज के साथ रिश्ते बेहतर होंगे।

राष्ट्रीय विकास

युवा शक्ति सही दिशा में लगेगी और भारत की प्रगति तेज होगी।

आलोचनाएँ और चुनौतियाँ

किसी भी कानून के साथ आलोचनाएँ भी आती हैं। कुछ लोग मानते हैं कि इससे "मनोरंजन की स्वतंत्रता" खत्म होगी। गेमिंग इंडस्ट्री से जुड़े लोग कहते हैं कि इससे रोजगार पर असर पड़ेगा। डिजिटल इंडिया की राह में इसे एक "बाधा" माना जा सकता है। लेकिन सरकार का तर्क है कि "समाज का हित सर्वोपरि है"। यदि एक इंडस्ट्री के कारण लाखों परिवार बरबादी की ओर जा रहे हैं, तो उस पर रोक ज़रूरी है।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव

चीन: बच्चों के लिए गेमिंग के घंटे तय किए गए। दक्षिण कोरिया: "शटडाउन लॉ" के जरिए नाबालिगों के लिए रात में गेमिंग पर रोक। जापान: गेमिंग पर समय सीमा निर्धारित। भारत ने भी इन्हीं अनुभवों से सीखकर अपने कानून को आकार दिया।

तकनीक का सकारात्मक उपयोग

यह कानून तकनीक के खिलाफ नहीं है, बल्कि उसका सही उपयोग सुनिश्चित करने के लिए है। एजुकेशनल गेम्स – गणित, विज्ञान और भाषा सीखने के लिए ऐप्स। स्किल गेम्स – आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग और रोबोटिक्स पर आधारित गेम्स। फिटनेस गेम्स – योगा, मेडिटेशन और हेल्थ ट्रैकिंग गेम्स। इस तरह तकनीक समाज को नुकसान पहुंचाने के बजाय उसे सशक्त बनाएगी। ऑनलाइन गेमिंग भारत में चूहेदानी की तरह साबित हो रही थी। लालच और लत के कारण युवा अपनी शिक्षा, करियर और सामाजिक जीवन से दूर हो रहे थे। परिवार बरबादी के कगार पर थे। सरकार का "प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025" इस स्थिति का संतुलित समाधान है। यह कानून सिर्फ प्रतिबंध नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। तकनीक का इस्तेमाल होना चाहिए, लेकिन समाज के हित को ध्यान में रखकर। यही संदेश इस कानून से निकलता है।

युवाओं की ज़िम्मेदारी

किसी भी समाज का भविष्य उसके युवा ही तय करते हैं। यदि युवा अपनी ऊर्जा गलत दिशा में लगाते हैं तो पूरा समाज कमजोर पड़ जाता है। ऑनलाइन गेमिंग कानून का उद्देश्य युवाओं को रोकना नहीं, बल्कि उन्हें सही राह दिखाना है। यह ज़रूरी है कि युवा खुद समझें कि उनकी एक-एक घड़ी अनमोल है। उन्हें यह तय करना होगा कि वे अपना समय किताबों, कौशल विकास, खेल-कूद और समाजसेवा जैसी रचनात्मक गतिविधियों में लगाएँ या फिर ऐसे आभासी खेलों में, जो उनके जीवन को खोखला कर रहे हैं।

अभिभावकों की भूमिका

बच्चों को दिशा देने में माता-पिता और परिवार की भूमिका भी अहम है।

मेडिकल शिक्षा: सरकारी कॉलेजों में प्रवेश पर सवाल, एनआरआइ कोटा

-प्रतिभाशाली छात्रों के सपनों पर बोझ?

भारत में मेडिकल शिक्षा का सपना लाखों छात्रों के दिलों में बसता है। हर साल करीब 18-20 लाख विद्यार्थी NEET (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) में बैठते हैं, ताकि डॉक्टर बनने की अपनी चाहत को साकार कर सकें। लेकिन मेडिकल सीटों की सीमित संख्या और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच यह सपना कुछ ही छात्रों की मंज़िल बन पाता है। बीते कुछ वर्षों में भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारों ने मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। नए मेडिकल कॉलेज खोले गए, एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाई गई, और निजी कॉलेजों की भूमिका भी बढ़ी। लेकिन इस सबके बीच एक बड़ा और विवादास्पद मुद्दा है – सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई (NRI) कोटा का लागू होना। यह कोटा, जो पहले केवल निजी मेडिकल कॉलेजों में देखा जाता था, अब सरकारी कॉलेजों में भी लागू किया जाने लगा है। इसका सीधा असर उन प्रतिभाशाली और मेहनती छात्रों पर पड़ रहा है जो केवल अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाना चाहते हैं।

मेडिकल शिक्षा का बदलता परिदृश्य

भारत में मेडिकल शिक्षा हमेशा से प्रतिष्ठा और सामाजिक सेवा से जुड़ी मानी जाती रही है। डॉक्टर बनने का सपना सिर्फ करियर का नहीं, बल्कि समाज की सेवा का प्रतीक माना जाता है।

पिछले दशक में बदलाव:

2014 से अब तक एमबीबीएस सीटों की संख्या दोगुनी से अधिक हो चुकी है। देशभर में 700 से अधिक मेडिकल कॉलेज कार्यरत हैं। नए सरकारी कॉलेज खुलने से ग्रामीण और छोटे कस्बों के छात्रों को अवसर मिले हैं। लेकिन सीटों की संख्या बढ़ने के बावजूद, मांग इतनी अधिक है कि अधिकांश छात्रों को या तो निजी कॉलेजों की ओर रुख करना पड़ता है, या विदेश जाकर मेडिकल पढ़ाई करनी पड़ती है।

सरकारी मेडिकल कॉलेज क्यों खास हैं?

सरकारी मेडिकल कॉलेजों की खासियत केवल उनकी कम फीस नहीं है। बल्कि इनकी शिक्षा की गुणवत्ता, अनुभवी फैकल्टी, आधुनिक अस्पतालों से जुड़ा प्रशिक्षण, और वर्षों से बनी प्रतिष्ठा इन्हें छात्रों की पहली पसंद बनाते हैं। यहां प्रवेश केवल मेरिट और NEET रैंक के आधार पर मिलता रहा है। आर्थिक रूप से साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र भी मेहनत के बल पर प्रवेश पाते रहे हैं। यही कारण है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों का नाम देश और विदेश में सम्मान के साथ लिया जाता है। लेकिन अब जब इन कॉलेजों में भी एनआरआई कोटा लागू किया गया है, तो यह मेरिट-आधारित पारदर्शिता को कमजोर करता दिख रहा है।

एनआरआई कोटा: यह है असली तस्वीर

एनआरआई कोटा का मूल उद्देश्य उन भारतीय परिवारों को जोड़ना था जो विदेश में रहते हैं लेकिन भारत से भावनात्मक रिश्ता रखते हैं।

एनआरआई कोटा की शर्तें:

भारतीय मूल के एनआरआई (Non Resident Indian) छात्रों को सीट दी जा सकती है। फीस सामान्य से कई गुना अधिक होती है (20 से 25 लाख रुपये प्रति वर्ष तक)। प्रवेश के लिए आवश्यक NEET रैंक अपेक्षाकृत कम होती है। यानी, यदि किसी छात्र की रैंक बहुत नीचे है लेकिन उसके परिवार के पास अधिक धन है और वह एनआरआई कैटेगरी में आता है, तो उसे सरकारी कॉलेज की प्रतिष्ठित सीट मिल सकती है।

समस्या कहाँ है?

मेरिट का अपमान

मेहनत से अच्छे अंक लाने वाले छात्र, जिनकी आर्थिक स्थिति मज़बूत नहीं है, एनआरआई कोटे

की वजह से बाहर हो जाते हैं। यह योग्यता आधारित चयन की भावना को चोट पहुँचाता है।

आर्थिक असमानता का विस्तार

एनआरआई कोटे से फायदा केवल अमीर परिवारों को मिलता है। गरीब और मध्यमवर्गीय छात्र, चाहे कितने ही होनहार क्यों न हों, पीछे छूट जाते हैं।

सरकारी कॉलेजों की साख पर सवाल

जिन कॉलेजों को अब तक ईमानदार प्रतियोगिता और गुणवत्ता का प्रतीक माना जाता था, वे भी "पैसे से प्रवेश" की छवि में फंसते दिख रहे हैं।

सामाजिक न्याय का अभाव

यह कोटा न तो पिछड़े वर्गों, न ही गरीब तबकों, न ही ग्रामीण छात्रों की मदद करता है। बल्कि यह केवल संपन्न वर्ग को सुविधा देता है।

प्रतिभाओं का पलायन

कई मेधावी छात्र जिन्हें सरकारी कॉलेज में मौका मिलना चाहिए था, वे मजबूर होकर निजी कॉलेज या विदेश जाते हैं। इससे देश की प्रतिभा का सही उपयोग नहीं हो पाता।

विरोध के स्वर

छात्र संगठन लगातार इसका विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकारी कॉलेजों में प्रवेश सिर्फ और सिर्फ मेरिट के आधार पर होना चाहिए। शिक्षाविद् भी मानते हैं कि एनआरआई कोटा से सरकारी मेडिकल कॉलेजों की गरिमा प्रभावित होगी। अभिभावक सवाल उठा रहे हैं कि जब सरकारी कॉलेज जनता के टैक्स से चल रहे हैं, तो वहां पैसा लेकर प्रवेश क्यों दिया जा रहा है?

सरकार और संस्थानों का तर्क

सरकार और कॉलेज प्रशासन की ओर से यह तर्क दिया जाता है कि – एनआरआई कोटे से मिलने वाली मोटी फीस से कॉलेज को फंडिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार में मदद मिलती है। इससे कॉलेज को स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलती है। एनआरआई परिवारों का भारत से जुड़ाव मजबूत होता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या सरकारी संस्थानों की आर्थिक मजबूती प्रतिभाशाली छात्रों के सपनों की कीमत पर होनी चाहिए?

कानूनी और नीतिगत पहलू

सुप्रीम कोर्ट पहले भी कह चुका है कि मेडिकल प्रवेश में मेरिट सर्वोच्च होनी चाहिए। कई राज्य सरकारों ने एनआरआई कोटे को लागू किया है, लेकिन इस पर व्यापक बहस और नीतिगत स्पष्टता की कमी है। नीति आयोग और शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों को सामाजिक न्याय और योग्यता आधारित प्रवेश का ही पालन करना चाहिए।

मौलवी अहमदुल्लाह शाह फ़ैज़ाबादी : 1857 की क्रांति के महान सिपहसालार

-अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ सोच का विकास

भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजाओं, नवाबों और पेशवाओं की वीरगाथाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें ऐसे अनेकों साधारण वेशभूषा वाले असाधारण व्यक्तित्व भी शामिल हैं, जिन्होंने अंग्रेज़ी हुकूमत को जड़ से हिला देने का काम किया। इन्हीं क्रांतिकारियों में एक महान नाम है – मौलवी अहमदुल्लाह शाह फ़ैज़ाबादी, जिन्हें लोग प्यार और सम्मान से "फ़ैज़ाबाद के मौलवी साहब" कहते थे। वे ऐसे नेता थे जिन्होंने 1857 की क्रांति के दौरान फ़ैज़ाबाद और लखनऊ के बीच अंग्रेज़ों की नाक में दम कर दिया था। उनका व्यक्तित्व धार्मिक आभा से ओतप्रोत होने के साथ-साथ संगठन क्षमता और युद्धकला का अद्त संगम था। यही कारण है कि वे जनता और सैनिकों दोनों के बीच लोकप्रिय नेता बने।

प्रारम्भिक जीवन

मौलवी अहमदुल्लाह शाह का जन्म 1787 में हुआ माना जाता है। वे अवध प्रांत (आज का उत्तर प्रदेश) से ताल्लुक रखते थे। उनके परिवार का संबंध धार्मिक शिक्षा और इस्लामी परंपरा से था। छोटी उम्र से ही उन्होंने अरबी, फ़ारसी, उर्दू और इस्लामी शास्त्रों की गहरी शिक्षा पाई। युवा अवस्था में ही वे मज़हबी इल्म, तक़रीर की कला और शेरदिल नेतृत्व क्षमता के लिए पहचाने जाने लगे। उनकी आवाज़ बुलंद और प्रभावशाली थी, जिससे वे जनता को तुरंत प्रेरित कर देते थे। यही वजह थी कि लोग उन्हें मौलवी साहब कहकर इज़्ज़त देते थे।

अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ सोच की शुरुआत

अहमदुल्लाह शाह ने अंग्रेज़ों की नीतियों को ध्यान से देखा। ईस्ट इंडिया कंपनी ने किस तरह धीरे-धीरे भारतीय रियासतों को अपने कब्ज़े में लिया और धार्मिक भावनाओं से खेलते हुए जनता को तोड़ने का प्रयास किया, यह उन्हें साफ़ समझ में आ चुका था। अवध का विलय (1856) और नवाब वाजिद अली शाह को सत्ता से हटाना उनके लिए निर्णायक क्षण था। इससे मौलवी साहब को यह यक़ीन हो गया कि अंग्रेज़ केवल व्यापार नहीं, बल्कि पूरे मुल्क को गुलाम बनाने आए हैं। इस अन्याय के ख़िलाफ़ वे खुलकर सामने आए और फ़ैज़ाबाद से क्रांतिकारी गतिविधियों की शुरुआत की।

1857 की क्रांति में भूमिका

फ़ैज़ाबाद और अवध का नेतृत्व

जब 1857 का संग्राम शुरू हुआ तो मौलवी अहमदुल्लाह शाह अग्रिम पंक्ति में खड़े थे। वे धार्मिक तक़रीरों के जरिए जनता को जिहाद और आज़ादी की राह पर चलने का संदेश देने लगे। उन्होंने सैनिकों और किसानों को अंग्रेज़ों के खिलाफ उठ खड़े होने के लिए प्रेरित किया। फ़ैज़ाबाद में उनकी लोकप्रियता इतनी अधिक थी कि लोग उन्हें "मौलवी साहब-ए-फ़ैज़ाबाद" कहने लगे। उनके नेतृत्व में हजारों लोग हथियार उठाकर अंग्रेज़ों से भिड़ गए।

लखनऊ और आस-पास की जंग

लखनऊ, अवध की राजधानी, अंग्रेज़ों के लिए रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम था। मौलवी साहब ने लखनऊ और फ़ैज़ाबाद के बीच अंग्रेज़ों की गतिविधियों को लगभग ठप कर दिया। वे कभी गुरिल्ला युद्ध करते, कभी सीधी भिड़ंत। उनकी रणनीति अप्रत्याशित और साहसी होती थी, जिससे अंग्रेज़ परेशान रहते थे। इतिहासकारों का मानना है कि अगर मौलवी साहब जैसे नेता न होते तो अवध क्षेत्र में 1857 की क्रांति उतनी मज़बूत और लम्बी नहीं चल पाती।

संगठन और नेतृत्व क्षमता

मौलवी अहमदुल्लाह शाह केवल योद्धा नहीं, बल्कि कुशल संगठनकर्ता भी थे। उन्होंने किसानों, दस्तकारों, सैनिकों और साधारण जनता को एक साथ जोड़ा। उनकी तक़रीरों में धार्मिक जोश भी होता था और मुल्क की आज़ादी की पुकार भी। उनकी सबसे बड़ी ताकत यह थी कि वे हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों को साथ लेकर चलते थे। अंग्रेज़ों ने उन्हें धार्मिक उकसाने वाला कहकर बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन सच्चाई यह थी कि वे हर धर्म के लोगों से कहते – "यह लड़ाई मज़हब की नहीं, बल्कि गुलामी से आज़ादी की है।"

अंग्रेज़ों की नाक में दम

1857-58 में मौलवी साहब का नाम अंग्रेज़ों के लिए सिरदर्द बन गया। वे बार-बार सैनिक टुकड़ियों पर हमला करते और फिर जंगलों, गांवों और पहाड़ियों में गायब हो जाते। अंग्रेज़ उन्हें पकड़ने के लिए भारी इनाम घोषित करते रहे। इतिहासकारों के अनुसार, अंग्रेज़ सरकार ने उन पर 50,000 रुपये का इनाम रखा था, जो उस ज़माने में बहुत बड़ी रकम थी। इसका सीधा मतलब यह था कि अंग्रेज़ उन्हें सबसे ख़तरनाक और सबसे बड़े विद्रोही नेता मानते थे।

विश्वासघात और शहादत (1858)

मौलवी अहमदुल्लाह शाह ने 1857-58 तक अंग्रेज़ों के खिलाफ लगातार लड़ाई लड़ी। वे एक जगह टिककर नहीं रहते थे, बल्कि लगातार स्थान बदलते और नई रणनीति बनाते। लेकिन अफसोस, एक भारतीय राजा ने उनकी शहादत का कारण बना। 1858 में मौलवी साहब शाहजहाँपुर क्षेत्र में थे। वहां के राजा ने अंग्रेज़ों से मिलकर उन्हें धोखे से पकड़वा दिया। राजा ने सोचा कि अंग्रेज़ों से इनाम मिलेगा और उसका राज्य सुरक्षित रहेगा। मौलवी अहमदुल्लाह शाह को पकड़कर अंग्रेज़ों के हवाले किया गया और उन्हें वहीं शहीद कर दिया गया। इस तरह भारत की आज़ादी की लड़ाई का यह महान सिपहसालार 1858 में शहादत के मुकाम पर पहुँचा।

मौलवी साहब का व्यक्तित्व

धार्मिक आभा – वे एक मौलवी थे, लेकिन उनकी तक़रीरें केवल मज़हब तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि उनमें राजनीतिक चेतना और आज़ादी का संदेश होता था। रणनीतिकार – अंग्रेज़ों की फौजी रणनीतियों को मात देने की उनकी क्षमता अद्त थी। जननायक – साधारण जनता से उनका गहरा रिश्ता था। लोग उन्हें मसीहा मानते थे। धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण – उन्होंने हर धर्म के लोगों को आज़ादी की लड़ाई में शामिल किया।

अंग्रेज़ों की नज़र में मौलवी साहब

अंग्रेज़ अफसर उनकी बहादुरी और संगठन क्षमता की तारीफ़ करने के बावजूद उन्हें ख़तरनाक विद्रोही कहते थे। कई ब्रिटिश इतिहासकार मानते हैं कि अगर मौलवी अहमदुल्लाह शाह को लंबा समय मिलता, तो अवध क्षेत्र से अंग्रेज़ों को खदेड़ना संभव था।

विरासत और प्रेरणा

मौलवी अहमदुल्लाह शाह की शहादत के बाद अंग्रेज़ों ने कोशिश की कि उनका नाम भुला दिया जाए। लेकिन इतिहास को मिटाया नहीं जा सकता। आज भी फ़ैज़ाबाद और अवध की धरती उन्हें याद करती है। वे भारत की आज़ादी के पहले बड़े सिपहसालारों में गिने जाते हैं। उनकी विरासत यही बताती है कि आज़ादी केवल तलवार से नहीं, बल्कि जनता को संगठित करके ही हासिल होती है। 1857 की क्रांति भले ही असफल रही, लेकिन इसने आज़ादी की मशाल जलाई। इस मशाल को जिन लोगों ने जलाया, उनमें मौलवी अहमदुल्लाह शाह फ़ैज़ाबादी का नाम सबसे आगे है। उनकी शहादत हमें याद दिलाती है कि गुलामी के खिलाफ लड़ाई में नेतृत्व, संगठन और जनता की ताकत सबसे बड़ी पूंजी होती है। मौलवी साहब ने अपने खून से यह साबित कर दिया कि आज़ादी की राह में कुर्बानी ही असली पहचान है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने दिव्यांगता प्रमाण-पत्र के आवेदन ऑनलाइन प्रोसेस करने के दिये निर्देश

-मौसमी बीमारियों सहित अन्य विषयों पर भी हुई समीक्षा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र की आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन किए जाने के निर्देश जारी किये गये। बैठक में मौसमी बीमारियों सहित विषयों पर भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित कुमार यादव, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ.टी. शुभमंगला, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने मौसमी बीमारियों, टीबी मुक्त अभियान, एनसीडी गतिविधियों, यूडीआईडी कार्ड, मेडिको लीगल केस, अपंजीकृत चिकित्सक एवं प्रयोगशालाओं के विरूद्ध की गयी कार्यवाहियों, आरजीएचएस व आयुष्मान योजना, राज हैल्थ पोर्टल पर चिकित्सा संस्थानों व स्वास्थ्यकार्मिकों की मैपिंग कार्य में प्रगति इत्यादि विभिन्न विषयों पर जिलावार जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निदेशक जनस्वास्थ्य ने बताया कि प्रदेश में चिकित्सा संस्थानों एवं समस्त स्तर के स्वास्थ्यकार्मिकों का सम्पूर्ण प्रोफाइल विवरण राजहैल्थ पोर्टल पर 31 अगस्त तक आवश्यकरूप से अपलोड करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में इसी पोर्टल के माध्यम से चिकित्सा प्रबंधन से जुड़ी विभिन्न कार्यवाहियां ऑनलाइन की जायेंगी। उन्होंने सिलिकोसिस, सर्वाइकल कैंसर, मधुमेह, टीबी, लिवर आदि रोगों के संभावित व्यक्तियों की पीएचसी व सीएचसी स्तर से भी आवश्यक स्वास्थ्य जांच कर रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही, उच्च उपचार हेतु संबंधित चिकित्सा संस्थानों में रैफर करने के निर्देश दिये। बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, परियोजना निदेशक एनएचएम संतोष कुमार गोयल, अतिरिक्त निदेशक अराजपत्रित सुशील परमार सहित संबंधित अधिकारीगण एवं सभी संभागों के संयुक्त निदेशक तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों व जिला-ब्लॉक के अधिकारीगण मौजूद थे।

जयपुर जिले से 4 हजार 905 वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा तीर्थ यात्रा का अवसर

-जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने निकाली ऑनलाइन लॉटरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 के तहत जयपुर जिले के 4 हजार 905 वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर मिलेगा। मंगलवार को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की मौजूदगी में जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने ऑनलाइन लॉटरी निकालकर सफल आवेदकों की घोषणा की। प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिक हमारी धरोहर हैं। उनके जीवनभर के अनुभव और आशीर्वाद से समाज व देश आगे बढ़ता है। सरकार का यह प्रयास है कि हमारे वरिष्ठ जन अपनी जीवन यात्रा के इस पड़ाव पर धर्म, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ सकें। तीर्थ यात्रा योजना न केवल धार्मिक स्थल दर्शनों का अवसर प्रदान करती है, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के मनोबल को भी सशक्त करती है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत हवाई यात्रा एवं रेलयात्रा सहित प्रदेश के कुल 56 हजार वरिष्ठ नागरिकों को यात्रा का अवसर दिया जा रहा है, जिसमें से जयपुर जिले के 4 हजार 905 वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित होंगे। इनमें से 526 यात्री हवाई मार्ग से काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर की यात्रा करेंगे, जबकि 4 हजार 379 यात्री रेल मार्ग से विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगे। योजना के तहत जयपुर जिले के कुल आवेदन 11 हजार 378 एवं कुल यात्री 18 हजार 423 प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि रेल यात्रा के लिए चयनित वरिष्ठ नागरिकों को हरिद्वार-ऋषिकेश-अयोध्या-वाराणसी-सारनाथ, सम्मेदशिखर-पावापुरी-वाराणसी-सारनाथ, मथुरा-वृंदावन-बरसाना-आगरा-अयोध्या, द्वारकापुरी-नागेश्वर-सोमनाथ, तिरुपति-पदमावति, कामाख्या- गुवाहाटी, गंगासागर-कोलकाता, जगन्नाथपुरी-कोणार्क, रामेश्वरम-मदुरई, वैष्णो देवी-अमृतसर-वाघा बोर्डर, गोवा के मंदिर एवं अन्य स्थल चर्च आदि, महाकालेश्वर-उज्जैन-ओंकारेश्वर-त्र्यम्बकेश्वर-घृष्णेश्वर-ऐलोरा, बिहार शरीफ, पटनासाहिब पटनाबिहार, श्री हजुर साहिब नांदेड़ जैसे प्रमुख तीर्थ स्थलों का दर्शन करवाया जाएगा।

इस अवसर पर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर देकर उनके जीवन में आध्यात्मिक संतोष और मानसिक शांति का संचार करती है। यह यात्रा ना केवल व्यक्तिगत अनुभव है बल्कि सामूहिकता, मेल-जोल और सामाजिक संबंधों को भी सुदृढ़ करती है।

उन्होंने बताया कि 70 वर्ष से अधिक आयु के यात्री अपने साथ एक अटेंडेंट ले जा सकते हैं। साथ ही, यदि पति-पत्नी में से एक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक और दूसरे की आयु 58 वर्ष है तो दोनों को एक साथ यात्रा की अनुमति है। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि यात्रा के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए। इसके लिए प्रत्येक दल के साथ चिकित्सा स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और सरकारी कर्मचारी यात्रा करेंगे।

आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन 31 को, जुटेंगे प्रदेशभर के कार्यकर्ता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आम आदमी पार्टी राजस्थान की कार्यकारिणी भंग होने के पश्चात् रविवार, 31 अगस्त को प्रातः 11.30 बजे से 3 बजे तक राजधानी जयपुर के नारायण सिंह सर्किल स्थित पिंकसिटी प्रेस क्लब के सभागार में प्रदेशभर के सभी कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस ने कार्यकर्ता सम्मेलन की घोषणा करते हुए सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं और पूर्व पदाधिकारियों को जुटने का आह्वान किया है।

धीरज टोकस ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश जिस प्रकार से पर्ची सरकार चल रही उसने पूरे प्रदेश असमस्य का माहौल पैदा कर रखा है, स्मार्ट मीटर का मुद्दा, निजी स्कूलों की मनमानी फीस, आरटीई में चयनित विद्यार्थियों के दाखिले का मुद्दा, छात्र संघ चुनाव, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अत्याचार, सुरक्षा इत्यादि सभी मामलों में राज्य की भाजपा सरकार पूरी तरफ से फेल होती नजर आ रही है। आम आदमी पार्टी प्रदेश में अपार संभावनाएं देख रही है क्योंकि प्रदेश में अब तक मजबूत तीसरा विकल्प उभर कर नहीं आ पाया है। विगत काफी वर्षों से पार्टी प्रदेश में सक्रियता से कार्य तो कर रही हैं किंतु जनता के बीच अपनी छाप नहीं छोड़ पाई है इसलिए संगठन कार्यकारिणी को भंग कर नए सिरे से प्रदेश संगठन तैयार कर जमीनी स्तर पर जुड़े कार्यकर्ताओं को जोड़कर तीसरा मजबूत विकल्प तैयार किया जाएगा जिसकी पहली नींव 31 अगस्त को कार्यकर्ता सम्मेलन के रूप में रखी जाएगी। इस सम्मेलन में सभी कार्यकर्ताओं, सक्रिय कार्यकर्ताओं और अब तक के सभी पूर्व पदाधिकारियों से संवाद स्थापित कर सम्मेलन में बुलाया गया है, इस कार्यकर्ता सम्मेलन में सभी कार्यकर्ताओं को नए सिरे से जिम्मेदारियां देकर मजबूत संगठन तैयार करने की नींव रखी जाएगी।

धीरज टोकस ने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार को लेकर सुझाव लिए जाएंगे साथ ही संगठन को लेकर विचार विमर्श भी किया जा रहा है इस सम्मेलन में संभावित है कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी भी सम्मिलित हो सकते है जो अगले एक - दो दिन में स्पष्ट हो जाएगा। साथ रविवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब पर ही दोपहर 3 बजे से पत्रकार वार्ता का आयोजन भी राक्षस गया है जिसमें पत्रकारों बंधुओं को संबोधित कर आगे की रूप रेखा स्पष्ट की जाएगी। पार्टी का इस समय मूल उद्देश्य अगले दो - तीन माह में संगठन तैयार कर आगामी नगर निकाय, पंचायत और निगम चुनावों में शतप्रतिशत भागीदारी निभाने की ओर हैं जिसकी तैयारी भी 31 अगस्त से प्रारंभ कर दी जाएगी। साथ ही सदस्यता अभियान चला प्रदेश के प्रत्येक वर्ग को आम आदमी पार्टी से जोड़ने की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी।

शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए निरंतर कार्य हो, राजस्थान देश का अग्रणी राज्य बने—राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कुलगुरुओं को व्यक्तिगत रुचि लेकर शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नामांकन के बाद विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, इस हेतु अच्छे ढंग से पढ़ाने, रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों से उन्हें जोड़ने आदि के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने राजस्थान को उच्च शिक्षा में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन शिक्षण संस्थानों में सुधार नहीं होगा, उनके खिलाफ भी कड़े कदम उठाए जाएंगे।

राज्यपाल बागडे ने विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन के सम्बंध में मंगलवार को राजभवन में आयोजित समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति लागू करने, विश्वविद्यालयों में नैक एक्रिडिएशन की कार्यवाही पूर्ण करने, वहां उपलब्ध लैब, पुस्तकालय, खेल मैदानों और छात्रावास के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में एक समान प्रश्नपत्र और पाठ्यक्रम लागू किए जाने की व्यावहारिकता के बारे में भी सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांवों को पिपलांत्री पैटर्न पर विकसित किया जाए। वहां पर अच्छे फलदार और छायादार पौधे लगाने तथा उन्हें विकसित करने व प्राकृतिक खेती के लिए लोगों को प्रोत्साहित कर कार्य किया जाए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में शोध के अंतर्गत मौलिक दृष्टि रखे जाने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में पेंशन, वेतनमान आदि के लिए भी राज्य सरकार स्तर पर संवाद कर सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने निजी और राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण अध्ययन करवाने और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के लिए निरंतर कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि यह हमारा राष्ट्रीय दायित्व है कि हम विद्यार्थियों को देश का सुयोग्य नागरिक बनाएं।

बैठक में विश्वविद्यालयों में कुलगुरुओं के कार्यकाल की अवधि तीन से पांच वर्ष किए जाने संबंधित सुझावों के साथ बैठक में सभी विश्वविद्यालयों में प्रो वाइस चांसलर बनाने, वहां पर भविष्य के प्रशासनिक अधिकारी तैयार करने, नवाचारो के आलोक में भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत भारत विद्या अनुसंधान केन्द्र शुरू किए जाने आदि पर भी चर्चा हुई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने प्रदेश में विश्वविद्यालयों के लिए कॉमन भर्ती बोर्ड, डिजिटल कनेक्टिविटी और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास किए जाने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय जो नवाचार करें, उसे विश्वविद्यालय पोर्टल पर डाला जाए। उन्होंने राज्य सरकार से जुड़े विश्वविद्यालयी मुद्दों के जल्द निस्तारण का भी विश्वास दिलाया। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े विषयों और संबंधित कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं ने उच्च शिक्षा में नवाचार अपनाते हुए राज्य को उच्च शिक्षा में श्रेष्ठतम बनाए जाने से संबंधित सुझाव दिए।

राज्यपाल बागडे ने बैठक के बाद राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के न्यूज लेटर का लोकार्पण किया। उन्होंने जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. रोशन लाल रैना द्वारा लिखी पुस्तक का भी विमोचन किया।

मनोहरपुर टोल प्लाजा से शुरू हुआ 'Lane Drive' अभियान

-सड़क सुरक्षा पर जीरो टॉलरेंस, नियम तोड़े तो मौके पर ही होगी कार्रवाई

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के राष्ट्रीय राज मार्ग पर मंगलवार को जयपुर रेंज पुलिस और NHAI टोल प्लाजा मनोहरपुर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार से "Lane Drive" सड़क सुरक्षा जागरूकता और प्रवर्तन अभियान का आगाज हुआ। अभियान का मकसद साफ है—सड़क पर अनुशासन, सुरक्षा और जिम्मेदारी तय करना। अभियान के दौरान मनोहरपुर थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने वाहन चालकों को पंपलेट बांटकर यातायात नियमों की जानकारी दी और उन्हें इनका सख्ती से पालन करने के लिए जागरूक किया।

थाना प्रभारी ने स्पष्ट कहा—

"अब सड़क पर किसी भी तरह की लापरवाही, तेज रफ्तार या नियमों की अनदेखी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चालकों को पहले जागरूक किया जाएगा, लेकिन नियम तोड़ने पर मौके पर ही सख्त कार्रवाई होगी।"

ओर कहा कि आवासीय व व्यवसायिक जगहों पर गति सीमा का ध्यान रखे।

अधिकारियों का संदेश साफ है—सड़क सुरक्षा पर अब जीरो टॉलरेंस पॉलिसी लागू होगी और हर चालक को ट्रैफिक नियमों का पालन करना ही होगा। इस दौरान ट्रैफिक इंचार्ज कमल सिंह जयपुर ग्रामीण ने ड्राइवर को जागरूक करते हुए कहा शराब पीकर वाहन न चलाए, सड़क का सब के साथ सहभाग करे और दूसरों का ध्यान रखे। दुपहिया वाहन चालक को कहा कि अपने सिर की सलामती के लिए हेलमेट पहने।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने डूंगरपुर के देवल में सीएलजी सदस्यों व आमजन से किया संवाद

-पुलिस बनेगी युवाओं व महिलाओं की मददगार— डीजीपी राजीव शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा अपने दो दिवसीय उदयपुर रेंज प्रवास के दौरान मंगलवार को सुबह पुलिस जवानों की समस्याएं सुनने के बाद डूंगरपुर जिले के देवल गांव स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचे और यहां आयोजित जनसहभागिता शिविर में सीएलजी (कम्युनिटी लायजन ग्रुप) सदस्यों व आमजन से संवाद किया। इस दौरान लोगों ने खुलकर अपनी समस्याएं व सुझाव रखे। जनसंवाद में सेवानिवृत्त एएसआई महेन्द्रसिंह, चैंबर ऑफ कॉमर्स सदस्य प्रभुलाल पटेल, समाजसेवी सुरेश फलोजिया, अचला वसीटा, लक्ष्मण कोटेड, कुसुमलता, ममता जैन, रेखा, पूजा, केवलराम, जयदीप भट्ट सहित ग्रामीणों व सीएलजी सदस्यों ने कानून-व्यवस्था, जन सुरक्षा, सड़क दुर्घटनाओं में कमी, पुलिस कार्मिकों के आरजीएचएस कार्ड का गुजरात में लाभ न मिलना, युवाओं में ड्रग्स व जुए की लत, विद्यालय समय में पुलिस गश्त की आवश्यकता, साइबर क्राइम रोकथाम, रेलवे में महिला स्टाफ की नियुक्ति, हथियार लहराते बाइकर्स और नाबालिग वाहन चालकों पर रोक जैसे मुद्दे उठाए। इसके अतिरिक्त देवल गांव व पुरानी जेल में नया थाना खोलने, बनकोड़ा में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने, ग्रामीण क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाने, पावर बाइक राइडर्स व गोवंश तस्करी पर अंकुश लगाने की मांग की गई। लोगों ने नशा मुक्ति के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने और राजीविका महिला कर्मियों को रिकवरी के दौरान पुलिस सुरक्षा देने की भी मांग रखी। जनसंवाद के दौरान कई वक्ताओं ने "ऑपरेशन संस्कार" और पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली की प्रशंसा भी की।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री गंभीर-

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि जन सहभागिता शिविर जैसे आयोजनों में धरातल से मिला फीडबैक पुलिस के कामकाज में सुधार का आधार बनेगा। प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री गंभीर हैं। इसी उद्देश्य से जयपुर में चलाया जा रहा अभियान "सशक्त नारी, जिम्मेदारी हमारी" अब डूंगरपुर में भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पुलिस युवाओं और महिलाओं की सच्ची मददगार बनेगी। इसके लिए डूंगरपुर में कई नए कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

डूंगरपुर की कालिका यूनिट का नया कार्यक्रम-

डीजीपी ने कहा कि डूंगरपुर में कालिका यूनिट का तीन माह का विशेष कार्यक्रम तैयार किया जाएगा। इसके तहत 1 सितंबर से कालिका यूनिट सदस्य और बीट कांस्टेबल प्रतिदिन कम से कम एक स्कूल का दौरा करेंगे और विद्यार्थियों को महिला सुरक्षा कानून, राजकॉप सिटीजन एप और साइबर क्राइम रोकथाम जैसे विषयों पर जानकारी देते हुए जागरूक करेंगे। डीजीपी ने कहा कि राजीविका की महिलाएं भी इसी तर्ज पर ग्रामीण महिलाओं तक पहुंचकर इस जनजागरूकता कार्यक्रम में सहयोग देंगी।

अवैध निर्माणों पर नगर निगम ग्रेटर की बड़ी कारवाई

-मानसरोवर जोन में 7 अवैध निर्माण सीज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर कार्यवाही करते हुये मानसरोवर जोन की टीम ने सोमवार को 7 अवैध निर्माणों को सीज किया।

उपायुक्त मानसरोवर जोन लक्ष्मीकान्त कटारा ने बताया कि मानसरोवर जोन में बिना निर्माण स्वीकृति व अनुमति के 7 भवनों भूखण्ड संख्या 117/433, 38/288, 42/13/12, दुकान संख्या एस-53 व एस-54, एस-20, एस-30 को नगर निगम मानसरोवर जोन की कारवाई में अवैध निर्मित भवनों को नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 194 (7) (एफ) के तहत सीज किया गया। उन्होंने बताया कि उक्त भवन मालिकों को पूर्व में विधिवत रूप से नोटिस दिया जाकर सुनवाई का अवसर प्रदान किया इसके उपरान्त भी भवन निर्माण की स्वीकृति, अनुमति प्राप्त नहीं की गई। इसलिए सीज की कारवाई की गयी।

तड़के 4 से 6 बजे तक सख्त नाकाबंदी

-45 वाहन चेक, 9 के मौके पर कटे चालान

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। थाना क्षेत्र के चौकी के पास मंगलवार तड़के मनोहरपुर थाना पुलिस ने कानून व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर बड़ा एक्शन लिया। सुबह 4 बजे से 6 बजे तक मनोहरपुर से नवलपुरा मोड़ और नवलपुरा मोड़ से मनोहरपुर मार्ग की सड़क चौकी के पास की ओर आने-जाने वाले वाहनों की सख्त नाकाबंदी की गई।

थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने कुल 45 वाहनों की बारीकी से जांच की। जांच के दौरान नियम तोड़ने वालों पर सख्ती दिखाते हुए 9 वाहनों के मौके पर ही चालान काटे गए।

इस दौरान पुलिस का कहना है कि इस अभियान का मकसद सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति को अमल में लाना है, ताकि किसी भी तरह की लापरवाही को रोका जा सके।

आरपीएससी: बिना योग्यता आयुष विभाग भर्ती में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन विथड्रॉ का अवसर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने लेक्चरर आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्धा और होम्योपैथी (आयुष) विभाग भर्ती 2025 के उन 25 अभ्यर्थियों की सूची जारी की है, जिन्होंने बिना अनिवार्य योग्यता सुनिश्चित करते हुए दो या दो से अधिक विषयों के पदों हेतु आवेदन किया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि अभ्यर्थी जिन्होंने विज्ञापनानुसार वांछित शैक्षणिक योग्यता नहीं होने पर भी उक्त पदों हेतु आवेदन कर दिया है, को अपना ऑनलाइन आवेदन पत्र वापस लेने का अंतिम अवसर दिया गया है। आवेदन विथड्रॉ करने का लिंक 27 से 31 अगस्त, 2025 तक सक्रिय रहेगा। वांछित योग्यता न होने पर भी आवेदन विथड्रॉ नहीं करने वाले अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा भविष्य में आयोजित की जाने वाली सभी परीक्षाओं से डिबार कर दिया जाएगा। इसके अलावा, उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 217 के तहत कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी। आयोग द्वारा यह भर्ती 8 विषयों के कुल 9 पदों के लिए आयोजित की जा रही है, जिसका विज्ञापन 13 फरवरी, 2025 को जारी किया गया था। इसके ऑनलाइन आवेदन 20 फरवरी से 21 मार्च, 2025 तक आमंत्रित किए गए थे।

सदभावना नगर में दो दिवसीय आधार कार्ड कैंप 28 से

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गोनेर रोड के सदभावना नगर स्थित होटल ताहा में गुरुवार सुबह 10 बजे से दो दिवसीय आधार कार्ड कैंप की शुरुआत की जाएगी। इस कैंप का आयोजन क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए किया गया है। आयोजक सोहेल खान ने बताया कि आधार कार्ड में नाम, पता, जन्मतिथि या अन्य किसी भी प्रकार की त्रुटि सुधारने का अवसर इस कैंप में मिलेगा। इसके अलावा गोनेर, दांतली, जामडोली सहित अन्य आधार केंद्रों पर होने वाले सभी कार्य यहां भी किए जाएंगे। टीम सोहेल खान नागोरी ने बताया कि इस इलाके में यह तीसरा और अंतिम कैंप होगा। इसलिए उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से अपील की है कि समय निकालकर अपने आधार कार्ड से जुड़ी समस्याओं का समाधान करवा लें।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

झिराना थाना क्षेत्र में मारपीट व जानलेवा हमले का मामला

-आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

टोंक (रॉयल पत्रिका)। झिराना थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद मारपीट और जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर संख्या 73/2025 में बताया गया है कि 22 मई 2025 की शाम को नसरु पुत्र हकीम निवासी धना तलाइ टोंक के बेटे निजाम पर तलवार और लाठी-डंडों से हमला किया गया। पीड़ित पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने निजाम के सिर पर तलवार से वार किया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सवाई माधोपुर रेफर किया, जहाँ से उसे जयपुर एसएमएस

अस्पताल रेफर किया गया। वर्तमान में उसका इलाज जारी है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने दो आरोपियों – माहिर और इकबाल – को गिरफ्तार किया था, लेकिन अन्य आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने से पीड़ित परिवार लगातार धमकियों का सामना कर रहा है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक टोंक को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि मामले की जांच किसी अन्य निष्पक्ष अनुसंधान अधिकारी से करवाई जाए और शेष सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए।

"एक पेड़ माँ के नाम" - माँ और प्रकृति को समर्पित एक अनूठा उपहार

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। सर्वोदय स्कूल, कोटा के प्रांगण में आज एक भावनात्मक और प्रेरणादायी कार्यक्रम "एक पेड़ माँ के नाम" का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि रहीं आकांक्षा बिरला, सुपुत्री माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी। साथ ही विशेष अतिथि के रूप में नकुल विजय, सुश्री हेमा विजय और शशांक विजय की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई। पौधारोपण कर सभी अतिथियों व विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि -"माँ जीवन का आधार है और पेड़ धरती माँ

की साँसें। जब हम माँ के नाम एक पेड़ लगाते हैं, तो हम प्रकृति और मातृत्व दोनों का सम्मान करते हैं।" इस मौके पर सर्वोदय ग्रुप के चेयरमैन ए. जी. मिर्जा तथा निदेशक डॉ. अजहर मिर्जा और डॉ. मजहर मिर्जा ने भी सहभागिता करते हुए छात्रों को पर्यावरण संरक्षण और माँ के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी संदेश दिया। यह आयोजन न केवल हरियाली की ओर कदम है बल्कि माँ के प्रति अनंत प्रेम और कृतज्ञता की भावनाओं को भी अभिव्यक्त करता है।

श्री त्रिनेत्र गणेश लक्खी मेला-2025 का शुभारंभ

-लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और प्रशासन की सुदृढ़ व्यवस्थाओं के साथ मेले का प्रथम दिवस सफल

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। रणथम्भौर दुर्ग स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर में तीन दिवसीय लक्खी मेला-2025 मंगलवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ प्रारंभ हुआ। प्रदेश सहित देश के विभिन्न स्थानों से लाखों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं के साथ बसों, ट्रैक्टरों, कारों, जीपों, मोटरसाइकिलों व पैदल यात्रा कर गणेशधाम पहुंचे। मंदिर परिसर "गणेश जी महाराज की जय" "गणपति बप्पा मोरया" के जयकारों से गूंज उठा। गणेश भक्तों, जिला कलक्टर काना राम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया, पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बैनीवाल, उप वन संरक्षक रामानंद भाकर, अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, सहित अन्य अधिकारियों ने गणेश जी, उनकी पत्नियां रिद्धि-सिद्धि और पुत्र शुभ-लाभ के दर्शन कर मंगलकामनाएँ कीं। भक्ति और उल्लास का संगम:- ग्रामीण अंचलों से आए श्रद्धालु घेरों और लोकगीतों के साथ नाचते-गाते मंदिर पहुंचे। दर्शन के बाद श्रद्धालु परिवार सहित किले की ऐतिहासिक छटा निहारते दिखे और मेले में लगे खिलौनों व अन्य दुकानों का आनंद लिया। निःशुल्क भण्डारों पर प्रसादी वितरण का क्रम भी लगातार चलता रहा। प्रशासन की ओर से चाक-चौबंद इंतजाम:- मेला मजिस्ट्रेट दामोदर सिंह ने बताया कि जिला कलक्टर काना राम के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं

की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रही। मंदिर क्षेत्र और मार्गों पर 24 घंटे सीसीटीवी से निगरानी की गई। नगर परिषद, पंचायत समिति, मंदिर ट्रस्ट और पुरातत्व विभाग के सहयोग से सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। अस्थाई व चल शौचालयों की व्यवस्था तथा कचरा निस्तारण हेतु ट्रैक्टर ट्रॉलियों और ऑटो टिपरों की तैनाती की गई। प्लास्टिक मुक्त मेला और स्वच्छता पर विशेष फोकस :- इस वर्ष मेले को प्लास्टिक मुक्त बनाने के प्रयासों का स्पष्ट असर दिखाई दिया। डिस्पोजल व पॉलिथीन पर रोक से रास्तों पर गंदगी नजर नहीं आई। नगर परिषद द्वारा मेले को 7 जोनों में बांटकर लगभग 200 सफाईकर्मी, 7-7 ट्रैक्टर ट्रॉलियां जेसीबी और जगह-जगह डस्टबिन रखे गए। प्रत्येक भण्डारे पर डस्टबिन रखवाए गए और स्वयंसेवकों ने सफाई व्यवस्था में सहयोग दिया। जिला कलक्टर की अपील:- कलक्टर ने श्रद्धालुओं को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि "हर वर्ष की भांति इस बार भी व्यापक तैयारियाँ की गई हैं और व्यवस्थाओं में सुधार हुआ है। श्रद्धालु अनुशासन बनाए रखें, प्रशासन आपके सहयोग के लिए तत्पर है। स्वच्छता और सुरक्षा ही सबसे बड़ी सेवा है।" जिला कलक्टर ने सभी श्रद्धालुओं से समूह में रहकर ही दर्शन करने और किसी भी परिस्थिति में जंगल या निर्जन मार्गों पर अकेले न रुकने की अपील की। उन्होंने कहा कि हाल ही में टाइगर पगमार्क देखे जाने के कारण श्रद्धालु सतर्क रहें और जलभराव वाले मार्गों से गुजरने से बचें। श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान रखते हुए प्रशासन ने निर्णय लिया है कि परिक्रमा मार्ग केवल 27 अगस्त (गणेश चतुर्थी) को दिन के समय खोला जाएगा और इस दौरान केवल समूह में ही प्रवेश की अनुमति होगी। अन्य तिथियों में परिक्रमा मार्ग पूर्णतः बंद रहेगा। आपातकालीन संपर्क नंबर :- गणेशधाम मेला कंट्रोल रूम 07462-294101, मेला कंट्रोल रूम (एसडीएम कार्यालय) 07462-220344। बुधवार, 27 अगस्त को मेले का मुख्य आयोजन होगा, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

लोहरवाड़ा में बलाई विकास समिति द्वारा पौधारोपण एवं सेवानिवृत अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान समारोह सम्पन्न

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के लोहरवाड़ा ग्राम पंचायत में बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं एवं लोहरवाड़ा ग्राम इकाई की ओर से पौधारोपण एवं वर्ष 2024-25 में समाज के सेवानिवृत अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। अतिथियों द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत आईएएस ओपी बुनकर ने कहा कि माता-पिता पहले ये जाने कि बच्चा सरकारी सेक्टर या प्राईवेट सेक्टर में जाना चाहता है। उसी की ओर बच्चें का डाले। साथ ही उन्होनें कहा कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करके आगे बढ़ने की ओर दिया। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार ने की। विशिष्ठ अतिथि सेवानिवृत डीआईजी जीसी राय, सेवानिवृत सीआरपीएफ एसपी केएम बुनकर, साइबर क्राइम के उपाधीक्षक सोनचंद लाड़ना, एससी-एसटी अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष अशोक सामरिया, सेवानिवृत बीएसएनएल के मुख्य पर्यवेक्षक व समिति संरक्षक रामकिशोर राय, सेवानिवृत एडीएम व समिति के संरक्षक केआर बुनकर, डॉ. सुरेश कुमार वर्मा, सेवानिवृत प्राचार्य डॉ. बीडी नैनावत, सेवानिवृत विद्त विभाग कार्यालय अधीक्षक व लोहरवाड़ा इकाई अध्यक्ष गोपाल लाल तंवर, इकाई सचिव व लोहरवाड़ा सरपंच मनोहर लाल सरावता ने भी विचार व्यक्त किए। इससे पूर्व समिति के पदाधिकारियों एव लोहरवाड़ा ग्राम इकाई के पदाधिकारियों द्वारा आए हुए अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेड़कर का छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया। समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि समाज के 60 सेवानिवृत कर्मचारियों, 10 कार्यरत कर्मचारी, 5 खिलाडियों, प्रतिभावान विद्यार्थियों सहित मुकबधिर जोड़ों का शॉल ओढ़ाकर एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव

अंबेडकर का छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया। मुकबधिर रमेश कुमार बुनकर नेशनल क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। अतिथियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण किया गया।

इनका रहा आर्थिक सहयोग

साइबर क्राइम के उपाधीक्षक सोनचंद लाड़ना(थोई) व एडवोकेट राजेंद्र कुमार वर्मा(लोहरवाडा) ने 51-51 सौ रूपये का आर्थिक सहयोग किया। भूमि खरीद हेतु जितेंद्र कुमार ढेनवाल व उनकी धर्मपत्नी सेवानिवृत प्राचार्य डॉ. सुधा ढेनवाल ने एक लाख रुपए का चेक समिति को भेंट किया।

समिति के लिए भूमि खरीद हेतु इन्होंने की घोषणाएं

रूडमल कालोया(स्याऊ) 51 हजार रूपये, सरपंच मनोहर लाल सरावता(लोहरवाड़ा) 51 हजार रूपये, सहायक कृषि अधिकारी सुरेश कुमार तंवर(मलिकपुर) 51 हजार रूपये, विधि विभाग के प्रशासनिक अधिकारी सुरेश कुमार रांगेरा व सेवानिवृत भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग के वरिष्ठ तकनीशियन सुगनचंद रांगेरा(मलिकपुर) 51 हजार रूपये व दिनेश कुमार हरसोलिया(जोधपुरा-टांकरड़ा) 21 हजार रूपये। सभी भामाशाहों को समिति द्वारा शॉल ओढ़ाकर व डॉ. अंबेडकर का छायाचित्र भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही ग्राम इकाईयों के अध्यक्ष गिरधारी लाल डूमोलिया (चारणवास), सुगनचंद रांगेरा (मलिकपुर), रविकांत रोजड़ा (नांगल-भरड़ा), राहुल जोया (हाथनोदा) व गोपाल लाल तंवर (लोहरवाड़ा) का भी सम्मान किया। डॉ. सुरेश कुमार वर्मा ने बच्चों एवं महिलाओं को प्रश्न पूछे। सही उत्तर देने वालों को समिति ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रधानाचार्य राजकुमार इन्द्रेश ने किया। कार्यक्रम के अंत में समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार ने सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस दौरान समिति कोषाध्यक्ष घनश्याम कांदेल, उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया, एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, राजपाल सिंह वर्मा, शंकरलाल सरावता, सेडूराम मेदवाल, उपमहासचिव हनुमान सहाय झांटीवाल, सचिव राजेंद्र प्रसाद काला, मूलचंद बॉयला, प्रहलाद राय जाटावत, संगठन सचिव गोपीराम मेहरड़ा, हरिनारायण मरोड़िया, नरेश कुमार रोजड़ा, सदस्य घीसालाल बबेरवाल, गुलाब नाथ बुढ़गाया, चौथमल जाटावत, फूलचंद सिंघल, गोपाल लाल देवठिया, सूर्य प्रकाश बाणियां, कैलाशचंद लाखीवाल, ग्राम इकाई कोषाध्यक्ष धीरज कुमार बुनकर, उपाध्यक्ष मदनलाल तंवर, संगठन सचिव मोहन लाल तंवर, कार्यकारिणी जितेन्द्र सरावता, ओमप्रकाश नारनोलिया, योगेश कुमार तंवर, प्रकाश वर्मा, राजेन्द्र सरावता, एडवोकेट राजेन्द्र कुमार वर्मा, नरेन्द्र कुमार तंवर, शंकर लाल तंवर, सुनील कुमार सरावता, संजय कुमार डूमोलिया, समिति के पूर्व अध्यक्ष व राजस्थान धमार्थ सेवा समिति (रामदेवरा) के अध्यक्ष नेमीचंद पंवार, पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट धर्मेंद्र कुमार घसिया, पूर्व अध्यक्ष पीसी बलाई, मानव जन जागृति संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष सौदागर कांदेला, कोषाध्यक्ष मुकेश जिन्दल, रामदेवरा धर्मार्थ सेवा समिति चिथवाड़ी के अध्यक्ष रामावतार बॉयला, सेवानिवृत्त कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक रामनिवास पालीवाल, रघुनाथ पाटोदिया, हरीनारायण लाखीवाल, पूर्व सरपंच छीगललाल झाटीवाल, राजेश सोगण सहित इत्यादि समाजबंधु मौजूद थे।

वतन फाउंडेशन द्वारा संचालित मोहब्बत की रसोई से जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाने का सिलसिला रहा जारी

-टीम ने धूमधाम से मनाया संरक्षक राजेश शर्मा का जन्मदिन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। टीम वतन फाउंडेशन के संरक्षक एवं जिले के वरिष्ठ पत्रकार, आई एफ डब्ल्यू जे के जिला अध्यक्ष राजेश शर्मा का जन्मदिन सोमवार को वतन फाउंडेशन द्वारा स्थानीय रेलवे स्टेशन पर संचालित मोहब्बत की रसोई पर जरूरतमंद सैकड़ों लोगों को खाना खिलाकर मनाया गया। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुसैन आर्मी ये जानकारी देते हुए बताया कि आज के भौगोलिक वाद के दौर में जहां लोग अपने जन्मदिन शादी की सालगिरह पर लाखों हजारों रुपए खर्च कर देते हैं, जिसका कोई सदुपयोग नहीं होता है वहीं मोहब्बत की रसोई जरूरतमंद, भूखे बे सहारा लोगो के लिए एक उम्मीद की किरण बनकर सहारा साबित हो रही है। फाउंडेशन के संरक्षक प्रोफेसर रामलाल ने कहा कि जरूरतमंद लगों के लिए जहां शहर के लोग अपने जन्मदिन शादी की सालगिरह पर इस भौगोलिकवाद से आध्यात्मिक

वाद की तरफ जाकर जरूरतमंदों को मोहब्बत की रसई का सहयोग कर खाना खिलाते हैं, आज इसी कड़ी में संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा ने अपने जन्मदिन पर मोहब्बत की रसोई से लगभग 400 लोगों को भोजन करवाया। फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया, संगठन सचिव सुनीता मधुकर ने शहर वासियों से अपील की है कि आप भी इस अनूठी मुहिम से जुड़े ताकि हम सब मिलकर सवाईमधोपुर को हंगर फ्री बना सके, ताकि हमारे शहर में कोई भूखा न सोए इस लिए इस खूबसूरत मुहिम के आप भी हस्सा बने। फाउंडेशन की महासचिव रूमा नाज ने बताया कि मोहब्बत की रसोई से लोगों को खाना खिलाने के बाद पूरी टीम ने राजेश शर्मा का माला पहना कर एवं केक काट कर जोरदार तरीके से जन्मदिन मनाकर उन्हें बधाई एवं शुभ कामनाएं दी। इस मौके पर राजेश शर्मा के अलावा सुनीता मधुकर, रूमा नाज,बबीता,हुसैन आर्मी, कैलाश सिसोदिया, प्रोफेसर रामलाल,मुकेश जैन, पंकज शुक्ला, आशीष मेहरा विमल पांडे, विष्णु मीणा,एडवोके दानिश खान,अली खान, राघव शर्मा,संतोष बंसल, सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा एवं अधिकारों को लेकर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सतीश परिहार के निर्देशन में मंगलवार को जिला परिषद के जन सुविधा केन्द्र, बारां में 'महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013' विषय पर ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरुआत ब्लॉक सुपरवाइजर मोनिका शर्मा द्वारा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, आंतरिक एवं स्थानीय शिकायत समिति के अध्यक्ष, सदस्यों के स्वागत से हुई। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के तहत ब्लॉक स्तर पर नोडल अधिकारी उपखंड अधिकारी होते हैं। कार्यशाला में अधिवक्ता हरिनारायण सिंह ने अधिनियम की महत्ता एवं प्राथमिक उद्देश्यों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कानून कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न

से सुरक्षा, रोकथाम एवं शिकायत निवारण का अधिकार प्रदान करता है। अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति का गठन प्रत्येक ऐसे कार्यस्थल पर अनिवार्य है, जहाँ 10 या उससे अधिक कर्मचारी हों। समिति में एक वरिष्ठ महिला अध्यक्ष, कम से कम आधी महिला सदस्य तथा सामाजिक, कानूनी क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल होते हैं। इसी प्रकार, अधिनियम की धारा 6 एवं 7 के अंतर्गत स्थानीय शिकायत समिति का गठन जिला स्तर पर किया जाता है, जहाँ 10 से कम कर्मचारी कार्यरत हों। इसमें सामाजिक क्षेत्र की महिलाएं एवं गैर-सरकारी प्रतिनिधि शामिल होते हैं। सहायक निदेशक सतीश परिहार ने बताया कि पीड़िता को घटना के 3 माह के भीतर लिखित शिकायत दर्ज करनी होती है। उन्होंने नियोक्ता की जिम्मेदारियों पर कहा कि कार्यस्थल को सुरक्षित बनाना, अधिनियम संबंधी जानकारी नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करना, जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित करना और आईसीसी, एलसीसी को सुविधाएं उपलब्ध कराना अनिवार्य है। उल्लंघन की स्थिति में 50,000 रुपए तक का जुर्माना और पुनरावृत्ति पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है।

जिला ओ.बी.सी. वेल्फेयर सोसाईटी, चूरू द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला ओ.बी.सी. वेल्फेयर सोसाईटी चूरू (राज.) के जिला अध्यक्ष एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति के नेतृत्व में सोसाईटी के पदाधिकारीगण एंव सैकड़ों की संख्या में सदस्यगण एंव कार्यकर्ताओं द्वारा माननीय मुख्यमंत्री राज. सरकार जयपुर भजनलाल जी शर्मा को मार्फत जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को एक सूत्री माँग-पत्र (ज्ञापन), अन्य पिछड़ा वर्ग के संबंध में सौंपा गया, जिसमे माँग की गई की पंचायती राज और स्थानीय निकायों के चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी) को देय 21% आरक्षण को पूर्व की भांति यथावत रखने के साथ ही साथ शेष बचा 6% आरक्षण कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इसमें जोड़ते हुए इसमें कुल 27% दिया जावे | साथ ही साथ पंचायती राज और स्थानीय निकायों में अन्य पिछडा

वर्ग को देय 21% आरक्षण में से 15% आरक्षण मूल ओ.बी.सी. की जातियो को दिया जावे और इसमें से शेष बचा 6% आरक्षण 1994 के बाद जोड़ी गयी जातियों को दिया जावे तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा 50% की कानूनी बाध्यता केन्द्रीय स्तर और कुछ राज्यों के स्तर पर समाप्त हो जाने के कारण केंद्र सरकार द्वारा दिए गये 27% में से शेष बचा 6% आरक्षण सरकार द्वारा कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए मूल ओ.बी.सी. की उन जातियों को दिया जावे जिन जातियों को आज तक इसका लाभ नहीं मिला हो । उपस्थित पदाधिकारी एंव कार्यसमिति सदस्यगण में डॉ. अशोक कुमार शर्मा (जांगिड़) हरिकिशन जांगिड़, सत्यनारायण सैनी, चानणमल सैनी, सांवरमल तंवर, कन्हैयालाल प्रजापत , चन्द्रमोहन सैनी, कन्हैयालाल सैनी, मगन सिंह, रामकिशन प्रजापत चलकोई, गोपीचंद रामदेवरा आदि उपस्थित रहें।

जन सुरक्षा संतृप्ति अभियान के तहत डबली खुर्द में शिविर

-जिला कलेक्टर ने किया निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार के जन सुरक्षा संतृप्ति अभियान के तहत मंगलवार को टिब्बी की ग्राम पंचायत डबली खुर्द में वित्तीय साक्षरता कैंप आयोजित हुआ। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने शिविर का निरीक्षण किया तथा शिविरों की प्रगति को लेकर समीक्षा की। इस मौक पर जिला परिषद सीईओ ओ.पी. बिश्नोई, एसडीएम सत्यनारायण सुथार, बैंक अधिकारियों सहित ग्राम पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे। कैंप में विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को घर का बजट बनाने, नियमित बचत करने, बैंक खातों में राशि जमा कराने और ऑनलाइन बैंकिंग व यूपीआई जैसी सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और मुद्रा योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। पुराने खातों की री-केवाईसी कराने और नए खाते खोलने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को बढ़ते डिजिटल फ्रॉड व साइबर ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी। ग्रामीणों को फर्जी लिंक, मोबाइल ऐप और ओटीपी साझा करने से होने वाले खतरों के बारे में जागरूक किया गया। अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश पर भरोसा न करें और समय-समय पर अपने खाते में लेन-देन करते रहें।

पर्यूषण पर्व के सातवें दिवस बताया कर्मो का महत्व

-कर्म भोगे बिना नही होता छुटकारा

बारां(रॉयल पत्रिका) श्री जैन श्वेताम्बर नवयुवक मण्डल के अशोक बोरड़िया, गौत्तम बोरडिया, गौत्तम मारू ने बताया कि पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व की आराधना करवाने हेतु उपासना मंदिर अरिहंत बंगलो-मुम्बई (महाराष्ट्र) से पधारे साधर्मिक क्रिश सतीश भाई रांका, कलश अश्विन भाई ने पर्यूषण पर्व के सातवें दिन अपने व्याख्यान में महावीर स्वामी, भगवान पाश्वनाथ, नेमीनाथ एवं आदिनाथ के जीवन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होनें कहा कि भगवान महावीर स्वामी निर्वाण को प्राप्त हुए, मोक्ष में गए। उनका मोक्ष कल्याणक हुआ। प्रभु महावीर हम से सात राजलोक ऊपर जाकर विराजमान हो गए। हमें भी उसी ऊंचाई तक जाना है। लेकिन किस प्रकार जा सके इसके लिए घबराने की आवश्यकता नही है, ऐसा विचार नही करे कि इतनी ऊंचाई से गिरने पर तो हड्डिया टूट जावेगी। नीचे नरक की असहनीय पीड़ा और ऊपर मोक्ष की सुंदर मंदरिया है।

चन्द्रप्रभू महिला मण्डल अध्यक्ष उर्मिला जैन भाया, यशोदा, प्रांजल नेहा बोरडिया, ज्योति शर्मा ने बताया कि श्री चन्द्रप्रभू मंदिर पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। मंगलवार की स्नात्र श्रीमती बीना-हसमुख भाई, जतिन-ऋचा गाठाणी परिवार एवं भोजन कान्तिचन्द-विजया श्रीमाल, विरेन्द्र कुमार-मोना, दिनेष-पूजा श्रीमाल सपरिवार की तरफ से रहा। पर्यूषण पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में नवयुवक मण्डल, महिला मण्डल सहित सकल श्रीसंघ उपस्थित रहा।

राहुल, यश मारू, प्रीतम, यश बोरडिया ने बताया कि पर्यूषण पर्व के सातवें दिन साधर्मिक बंधुओं ने बताया कि इस मंजिल पर पहुंचना है, ये संकल्प कीजिए। इस संकल्प का बीज मनुष्य जन्म में बोया जा सकता है। मोक्ष रूपी फल की प्राप्ति भी दूसरे मनुष्य जीवन में होनी है। कायरता को झटकार कर ऊपर जाने का प्रयत्न करें। सर्वोच्च स्थान पर जाने के बाद गिरने की कोई संभावना नही है। ज्ञान की अलख नम्बर की झलक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें चतुर्वेद संघ के प्रथम विजेता राहुल मारू रहे, मोक्ष गौत्तम मारू विरेन्द्र श्रीमाल, नेहा बोरडिया के नाम रहा। इस दौरान सकल श्री संघ उपस्थित रहा।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता किशन लाल गुर्जर को दी श्रद्धांजलि

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय गांधी कालोनी,वाटर वर्क्स ऑफिस के पास, गुर्जर समाज के नेता, चूरू जिला कांग्रेस के महासचिव नेता वरिष्ठ किशनलाल गुर्जर के निधन पर शोकसभा में उनके चित्रपर पुष्प अर्पित किए। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिव रियाज़त खान ने कहा किशनलाल गुर्जर पार्टी के सीनियर नेता रहे और सर्वसमाज में आपकी पहचान बड़े मुकाम पर थी। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने कहा गुर्जर,के मार्गदर्शन में अनेक युवा आगे बढ़े। बैठक में शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, जिला कांग्रेस ओबीसी अध्यक्ष नारायण बालान, आरिफ़ पिथीसर,संजय भाटी, हेमंत सेनी, मुश्ताक पिथीसर, शीशपाल गुर्जर ,सुरमल गुर्जर, लक्ष्मीपत, धर्मवीर, पवन गुर्जर आदि ने किए।

खुंडियावास एवं धोलाभाटा स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर में मेले का हुआ शुभारंभ

-देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना एवं केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने किया ध्वजारोहण

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। भादवा बीज के पावन अवसर पर सोमवार को जिले के खुंडियावास एवं धोलाभाटा स्थित बाबा रामदेवजी महाराज मंदिरों में वार्षिक मेले का शुभारंभ बड़े धार्मिक उत्साह और श्रद्धा भाव के साथ हुआ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना एवं देहात अध्यक्ष जीतमल प्रजापत ने ध्वजारोहण कर मेले का विधिवत उद्घाटन किया तथा बाबा रामदेवजी महाराज के दरबार में धोक लगाकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु विभिन्न स्थानों से मेले में पहुंचे और बाबा रामदेवजी के दरबार में आशीर्वाद लिया। धाम परिसर में भक्ति और उत्साह का अद्दत संगम देखने

को मिला। ओमप्रकाश भड़ाना ने कहा कि बाबा रामदेवजी महाराज लोकआस्था और समानता के प्रतीक हैं। बाबा ने अपने जीवन में जाति-पांति से ऊपर उठकर समाज को भाईचारे, समरसता और सेवा का संदेश दिया। यह मेला आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता का अनूठा प्रतीक है। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ बाबा के दरबार में धोक लगाई और प्रदेशवासियों के सुख-शांति की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोकदेवता बाबा रामदेवजी महाराज एवं भगवान देवनारायण जी के दिखाए लोककल्याण के मार्ग पर अग्रसर है। आमजन की सुविधा, समाज का विकास और हर वर्ग का उत्थान ही सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जलभराव वाले इलाकों में अनावश्यक रूप से न जाएं और न ही ट्रैकिंग घूमने-फिरने के लिए ऐसी जगहों का रुख करें आमजन

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान में जिलेभर में बारिश का दौर जारी है और कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इस परिप्रेक्ष्य में जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ के निर्देशानुसार सोमवार को मिनी सचिवालय सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला परिषद शंभुदयाल मीणा एवं एडीएम अभिषेक चारण ने महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए।

जलभराव वाले क्षेत्रों में न जाने की अपील

बैठक के दौरान आमजन से अपील की गई कि वे जलभराव वाले इलाकों में अनावश्यक रूप से न जाएं और न ही ट्रैकिंग अथवा घूमने-फिरने के लिए ऐसी जगहों का रुख करें। सीईओ शंभुदयाल मीणा ने कहा कि बरसात के मौसम में पानी के बहाव एवं गहराई का अंदाजा लगाना कठिन होता है, जिससे हादसे की आशंका रहती है। इस संबंध में सभी विभागों को आमजन को समय-समय पर सचेत करने और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्कूलों से हाई टेंशन लाइन हटाने पर जोर

बैठक में सीईओ जिला परिषद शंभुदयाल मीणा ने स्कूल परिसरों से हाई टेंशन लाइनों को हटाने की कार्रवाई प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को इस कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. साजिद खान से मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान डेंगू, मलेरिया एवं अन्य जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए एंटी-लार्वल गतिविधियां नियमित रूप से करने तथा आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए।

मिड-डे मील और स्वच्छता पर निगरानी

जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि बरसात के मौसम में विद्यालयों में नमी के कारण भोजन की गुणवत्ता पर विपरीत असर न पड़े। मिड-डे मील की स्वच्छता और मानक सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने के आदेश दिए गए।

समन्वित प्रयासों का आह्वान

बैठक के अंत में एडीएम अभिषेक चारण ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें ताकि जिले में बरसात और जलभराव की स्थिति से आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो और लोग सुरक्षित रहें। इस दौरान बैठक में पेयजल, बिजली, नगर निकाय सहित सभी विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) ने की बजट घोषणाओं की प्रगति समीक्षा

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। वित्तीय वर्ष 2024-25 तथा 2025-26 की बजट घोषणाओं की प्रगति समीक्षा बैठक सोमवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव की अध्यक्ष में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की घोषणाओं तथा अब तक उनके क्रियान्वयन की प्रगति के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उच्च स्तर पर इसकी नियमित समीक्षा की जाती है। इसके मद्देनजर प्रत्येक अधिकारी इन घोषणाओं के क्रियान्वयन को पूर्ण गंभीरता से लें। किसी प्रकार की कमी रहने पर संबंधित कार्यालयाध्यक्ष इसके लिए जिम्मेदार होगा। उन्होंने भूमि आवंटन से जुड़े मामलों का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता से करने तथा किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को इससे अवगत करवाने के निर्देश दिए। साथ ही बजट घोषणाओं की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट देने के साथ विभाग स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं के समय पर पूर्ण होने पर सरकार की मंशा के अनुरूप लक्षित वर्ग को इनका पूर्ण लाभ मिल पाता है। उन्होंने प्रत्येक विभाग को क्रियान्वयन में ओर प्रगति लाने तथा आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल, नगर निगम उपायुक्त कुलराज मीणा, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के अतिरिक्त निदेशक सत्येंद्र सिंह राठौड़, आरसीएचओ डॉ रमेश गुप्ता, जिला क्षय रोग निवारण अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर मोदी, मेडिकल कॉलेज की अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. रेखा आचार्य, पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश के विद्यार्थी अब होंगे अपने मताधिकार और नैतिक मतदान के प्रति जागरुक

जयपुर/बूंदी (रॉयल पत्रिका)। निर्वाचन साक्षरता एवं मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में निर्वाचन विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के बीच सोमवार को शासन सचिवालय, जयपुर में ऐतिहासिक एमओयू हुआ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन एवं शासन सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग कृष्ण कुणाल ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस संयुक्त एमओयू के तहत राज्य के समस्त माध्यमिक/उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय एवं निजी विद्यालयों में भारत निर्वाचन आयोग की संकल्पना को साकार करते हुए स्कूल निर्वाचन साक्षरता क्लब (ELC) का सुदृढ़ीकरण एवं ईएलसी गतिविधियों का सुचारू संचालन संपन्न हो सकेगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने कहा कि राज्य में स्कूल शिक्षा विभाग के पर्यवेक्षण में राजकीय एवं निजी विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों को शामिल करते हुए निर्वाचन साक्षरता क्लब

गठित कर संचालित किया जा रहे हैं। इन क्लबों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग के लिए शाला दर्पण पोर्टल एवं प्राइवेट स्कूल पोर्टल पर ऑनलाइन ईएलसी एंट्री मॉड्यूल उपलब्ध कराया गया है। देश में राजस्थान स्कूल ईएलसी के सुदृढ़ीकरण हेतु डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने वाला संभवतः पहला राज्य है। अब कक्षा 9 से 12वीं में अध्ययनरत 17 वर्ष के समस्त विद्यार्थियों का अग्रिम रूप से मतदाता पंजीकरण आसान होगा और 18 वर्ष की आयु को पूर्ण करते ही विद्यार्थियों को उनका मतदाता पहचान पत्र प्राप्त हो जाएगा, जिससे वो आगामी चुनावों में सक्रिय मतदाता के रूप में अपना कर्तव्य निभा सकेंगे। महाजन ने कहा कि इस MoU का उद्देश्य विद्यालय स्तर पर मतदाता शिक्षा, जागरूकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना तथा भावी मतदाताओं में निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति समझ विकसित करना है। साथ ही भविष्य में भारत निर्वाचन आयोग एवं शिक्षा मंत्रालय – भारत सरकार के निर्देशन में एनसीईआरटी द्वारा विकसित मतदाता शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रम को राज्य की स्कूल शिक्षा में शामिल किया जाना प्रस्तावित है।

प्रसार की आमसभा आयोजित, कैडर रिव्यू सहित विभिन्न बिंदुओं पर हुई चर्चा

-पंद्रह से 21 अप्रैल तक मनाएंगे जनसंपर्क सप्ताह, सरकार की योजनाओं का करेंगे सघन प्रचार

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विसेज एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की वार्षिक आमसभा रविवार को सूचना केन्द्र, जयपुर के सभागार में आयोजित हुई। प्रसार अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर आचार्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुमार अजय, उपाध्यक्ष (क्षेत्रीय) धर्मेन्द्र मीणा, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) चंद्रशेखर पारीक, महासचिव अभय सिंह भाटी, सचिव मोहित जैन मौजूद रहे। वहीं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. आशीष खंडेलवाल, हेमंत सिंह, आलोक आनंद, कविता जोशी, छोटू लाल जीनगर, वीर सेन, आशीष जैन, सुरेन्द्र बगवाड़ा, संतोष कुमार, दिनेश शर्मा, राकेश कुमार, मनीष कुमार आदि ने भी विचार रखे। बैठक में जनसंपर्क विभाग के कैडर रिव्यू एवं सुदृढ़ीकरण के प्रस्ताव तैयार करने, सहायक जनसंपर्क अधिकारियों के स्थाईकरण,

प्रतिवर्ष 15 से 21 अप्रैल तक जनसंपर्क सप्ताह आयोजित करने तथा जनसंपर्क दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में जयपुर में आयोजित करने, विभागीय कार्यालयों में संसाधनों की वृद्धि सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान जनसंपर्क मंत्रालयिक कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा हुई और कैडर रिव्यू से जुड़े प्रस्ताव साझा तरीके से तैयार करते हुए उच्च स्तर तक प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। संगठन की अब तक की गतिविधियों, सदस्यता शुल्क, विभिन्न कमेटियों के गठन, फोटोग्राफर संवर्ग तथा जयपुर के न्यू गेट स्थित रंगमंच कार्यालय के विभागीय हित में बेहतर उपयोग के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रसार द्वारा सरकार की युवा कल्याण की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए चलाए जाने वाले 'युवा संकल्प' अभियान और जनसंपर्क सप्ताह के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में पूरे सप्ताह सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार का विषेष अभियान चलाने के संबंध में भी चर्चा की गई।

प्रशिक्षण बैच के समापन पर बांटे प्रमाण पत्र

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। बैंक ऑफ बडौदा द्वारा प्रायोजित एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित सीतसर स्थित बडौदा स्वरोजगार विकास संस्थान में सोमवार को महिला ब्यूटी पार्लर के प्रशिक्षण बैच का समापन समारोह आयोजित किया गया। 35 दिवसीय प्रशिक्षण में 31 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय प्रबंधक बैंक ऑफ बडौदा झुंझुनू दिनेश आर्य एवं उपक्षेत्रीय प्रबंधक कपिल डी अन्तानी उपस्थित थे। अध्यक्षता संस्थान निदेशक मनोज शर्मा ने की । मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर ने प्रशिक्षणार्थीयो को प्रमाण पत्र वितरित कर जल्दी स्वरोजगार शुरू करने के लिए प्रेरित किया ।

विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

कोटा (रॉयल पत्रिका)। विभागीय योजनाओं की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को जिला कलक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सतत मॉनिटरिंग करते हुए समयबद्धता से कार्य करें। बैठक में सांसद एवं विधायक स्थानीय विकास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की विस्तार से समीक्षा कर निर्देश दिए कि इनमें समयबद्धता का खास ध्यान रखा जाए ताकि योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। जो कार्य शुरू नहीं हुए उनकी प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। यह भी सुनिश्चित करें कि कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण समय पर हों। अधिक वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों में बिजली पानी की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर निर्देश दिए गए कि ऐसे स्थानों पर आवश्यकता अनुसार पेयजल

में सुपर क्लोरिनेशन किया जाए। डेंगू एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम के उपाय प्रभावी तरीके से करने के भी निर्देश दिए। वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों और अवरुद्ध मार्गो के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जन आधार और आधार कार्ड बनवाने ,इनमें संशोधन इत्यादि के लिए लोगों को भटकना नहीं पड़े, ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। संपर्क एवं 181 हेल्पलाइन पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा कर लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से लेने और सभी प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। डीएनएमएस पर प्राप्त शिकायत को भी गंभीरता से लेने और एक्शन टेकन रिपोर्ट उसी दिवस भिजवाने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम प्रशासन मुकेश चौधरी, एडीएम सीलिंग कृष्णा शुक्ला, सीईओ जिला परिषद राजपाल सिंह, नगर निगम आयुक्त अनुराग भार्गव विभिन्न विभागों के अधीक्षण अभियंता एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विभागीय समन्वय बैठक आयोजित जन समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण हो निस्तारण

-फ्लैगशिप योजनाओं में जिला बने अग्रणी- जिला कलक्टर

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय विभागीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों, जनशिकायतों के निस्तारण, राज्य एवं केंद्र सरकार के पोर्टलों पर दर्ज प्रकरणों, बजट घोषणाओं तथा फ्लैगशिप योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने विभागवार औसत निस्तारण समय की समीक्षा करते हुए कहा कि लंबित परिवादों को त्वरित कार्यवाही कर निस्तारित किया जाए। इससे जिले का निस्तारण समय राज्य औसत के अनुरूप सुधर सकेगा। उन्होंने संतुष्टि प्रतिशत में सुधार लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ई-फाइल एवं डाक, संपर्क पोर्टल तथा सीपीग्राम्स पोर्टल पर प्राप्त जनसमस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को प्राथमिकता दी जाए। 30 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा इसकी समीक्षा ब्लॉक स्तर तक की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को परिवादियों से सीधा संवाद कर संतोषजनक जवाब एवं कार्रवाई सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं भारत सरकार के पोर्टलों से प्राप्त शिकायतों की निगरानी भी जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें। 30 दिवस से अधिक लंबित मामलों का तुरंत निस्तारण किया जाए। साथ ही आगामी विधानसभा सत्र को देखते हुए सत्र में पूछे जाने पर विभागीय प्रश्नों के उत्तर समय पर तैयार कर प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जर्जर भवनों के सर्वे की समीक्षा करते हुए तकनीकी पहलुओं की जांच शीघ्र कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को निर्देशित किया। उन्होंने हरियाळो राजस्थान अभियान के लक्ष्य के अनुरूप माह के अंत तक पौधारोपण पूर्ण करने एवं सभी पौधों का जियो टैगिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन शिविरों को प्रभावी बनाया जाए। विद्यालयों में छात्रों को बैंक खाते खोलने एवं योजनाओं की जानकारी दी जाए। आंगनबाड़ी केंद्र संचालिकाओं, सहयोगिनियों और राजीविका के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को भी वित्तीय योजनाओं से जोड़ा जाए। जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ शीघ्र पहुंचे। इसके लिए ई-केवाईसी एवं सत्यापन कार्य समय पर पूर्ण किया जाए और लाभ वितरण की गति बढ़ाई जाए। राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की रैंकिंग में अजमेर जिला अग्रणी बने इसके लिए अधिकारी पूरी निष्ठा एवं उत्तरदायित्व भावना के साथ कार्य करें। सभी योजनाओं की प्रगति की अद्यतन जानकारी नियमित रूप से अपलोड भी की जाए।

सुरक्षित सड़क मार्ग सुसमा अभियान के अंतर्गत सड़क सुरक्षा अग्रदूत बनी

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग, पीयर, राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में सुरक्षित सड़क मार्ग (सुसमा) अभियान अंतर्गत सोमवार को अजमेर के महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय में प्रशिक्षित 101 सुसमा दीदियों को हेलमेट वितरण किया गया। यह अभियान रक्षाबंधन से शुरू होकर 15 सितंबर अभियंता दिवस तक जारी रहेगा। राजकीय महिला अभियांत्रिकी महाविद्यालय अजमेर में हेलमेट वितरण कार्यक्रम में वाइस चांसलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी बीकानेर अखिल रंजन गर्ग, प्राचार्या प्रकृति त्रिवेदी, राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसाइटी की अध्यक्ष ऋतु चौहान एवं प्रोफेसर ममता गर्ग उपस्थित थे। अतिरिक्त मुख्य अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग संभाग अजमेर कौशलेंद्र भारद्वाज ने कहा कि सुरक्षित सड़क मार्ग सुषमा अभियान के अंतर्गत अब तक संपूर्ण राजस्थान में 806 संस्थाओं के 2 लाख 18 हजार 977 स्कूलों एवं महाविद्यालयों में अध्यनरत छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी विभाग की प्रशिक्षित महिला अभियंताओं द्वारा दी गई इनको विभाग द्वारा सुषमा दीदियों के नाम से सुशोभित किया गया है। उन्होंने कहा कि अजमेर जिले के जिला मुख्यालय पर 28 संस्थाओं के 6613 छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी सुसमा दीदियों द्वारा प्रदान की गई है एवं यह अभियान अभियंता दिवस तक लगातार जारी रहेगा। इस सुसमा अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा छात्राओं को हेलमेट के लिए रजिस्ट्रेशन करने के पश्चात 1200 रुपये कीमत का स्टीलबर्ड कंपनी द्वारा निर्मित हेलमेट मात्र 300 रुपये कीमत में राजकीय महिला इंजीनियरिंग कॉलेज की 101 छात्राओं को उपलब्ध कराए गए। महिला इंजीनियरिंग कॉलेज में हेलमेट वितरण के दौरान राजस्थान सड़क सुरक्षा समिति की अध्यक्ष ऋतु चौहान ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को कम कीमत में हेलमेट उपलब्ध करना नहीं है। मुख्य उद्देश्य यह है कि ये छात्राएं स्कूल कॉलेज में अध्यनरत छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन के संकल्प को आगे बढ़ाकर भारत को वर्ष 2047 तक सड़क हादसों रहित देश बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसाइटी भी अप्रत्यक्ष रूप से इस अभियान से जुड़ी है। इसके लिए मुख्य अभियंता गुणवत्ता नियंत्रण जसवन्त खत्री सहित सम्पूर्ण सार्वजनिक निर्माण विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया।

सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं का करें त्वरित निस्तारण- जिला कलक्टर

-साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

जालोर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई जिसमें संपर्क पोर्टल की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के गावंडे ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं को विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी औसत समय में कमी लाते हुए परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम एवं

ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई एवं समाधान व्यवस्था शिविर की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी जनसुनवाई के दौरान जिले के नागरिकों की परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करें। इस अवसर पर उप वन संरक्षक जयदेव सिंह चारण, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिदंबरा परमार, जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल, सीएमएचओ डॉ भेराराम जाणी, पीएचईडी के एसई संजय शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक भगवानाराम चैधरी सहित अधिकारी-कार्मिक उपस्थित रहे।

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा शिविर आयोजित होंगे

श्रीगंगानगर, 25 अगस्त। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के शिविरों का आयोजन किया जाएगा। श्रीगंगानगर जिले की कुल 342 ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित होंगे। 26 एवं 28 अगस्त को विभिन्न बैंकों द्वारा 16 गांवों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। अग्रणी जिला प्रबन्धक मुकेश कुमार जांगडा ने बताया कि 26 अगस्त को एसबीआई द्वारा गांव कालियां, 9 एलएमबी, कीकरवाली में, बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा फूसेवाला, सरदारपुराजीवन में, आरजीबी द्वारा मानेवाला, 6 जेडडब्ल्यूएम, इंडसइंड बैंक द्वारा नरसिंहपुरा में शिविर आयोजित किये जायेंगे। इसी प्रकार 28 अगस्त को पीएनबी द्वारा गांव खाटलबाना, 7 केएनडी में, बैंक ऑफ बडोदा द्वारा कमीनपुरा में, एसबीआई द्वारा राजपुरा, 90 जीबी, लक्खाहाकम, आरजीबी द्वारा तांखरावाली, डीसीसीबी द्वारा मोकलसर में शिविर आयोजित किये जायेंगे।

अगस्त्य और जुनैद का होगा बॉक्स ऑफिस में मुकाबला

मुंबई। बॉक्स ऑफिस क्लैश कुछ भी नया नहीं है। अक्सर बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े स्टार्स की फ़िल्में एक साथ रिलीज होती है। लेकिन इस बार बॉक्स ऑफिस मुकाबला दो स्टार किड्स के बीच में है। स्टार किड्स हैं अमिताभ बच्चन ने नाती अगस्त्य नंदा और आमिर खान के बेटे जुनैद खान। सूत्रों से पता चला है कि अगस्त्य नंदा और जुनैद खान की फ़िल्में सेम डे सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है । अगस्त्य नंदा की श्रीराम राघवन निर्देशित इक्कीस एक वॉर ड्रामा है, जिसमें वह लीड रोल निभा रहे हैं। शुरुआत में फिल्म इक्कीस को 2 अक्टूबर को रिलीज करने की योजना थी।

लाइफ Style

दिव्या

ब्लैकमेलर के किरदार में आएंगी नजर

दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'एक चतुर नार' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में नील और दिव्या के बीच चालाकी का खेल देखने को मिल रहा है। फिल्म में दिव्या ने एक ब्लैकमेलर का किरदार निभाया है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

ट्रेलर की शुरुआत दिव्या खोसला की आवाज से होती है, जिसमें वो कहती हैं कि 'हर शहर में दो तरह की बस्ती होती है। एक नदी किनारे वाली और एक नाले किनारे वाली' ट्रेलर में दिखाया गया है कि दिव्या खोसला फिल्म में गरीब बनी हैं, जो अपनी जीविका चलाने के लिए अलग-अलग काम करती दिखती हैं। जबकि नील नितिन मुकेश फिल्म में अभिषेक वर्मा के किरदार में नजर आएंगे, जो एक पैसे वाला शख्स है। ट्रेलर से पता चलता है कि फिल्म में दिव्या खोसला के हाथ कुछ ऐसा लगता है, जिससे वो नील नितिन मुकेश को ब्लैकमेल करने लग जाती है। फिर आगे कहानी किस तरह से मजाकिया से गंभीर हो जाती है, ये फिल्म देखने के बाद पता चलेगा। फिल्म का ट्रेलर फिल्म के बारे में ज्यादा कुछ तो नहीं बताता है, लेकिन इतना गारंटी जरूर देता है कि फिल्म कॉमेडी, सस्पेंस और ड्रामा से भरपूर होने वाली है। रहस्य, चालाकी और माइंग गेम से भरपूर ये ट्रेलर एक ऐसी कहानी का दावा करता है जहां चतुराई सबसे बड़ा हथियार बन जाती है। ट्रेलर में आवाज आती है 'होशियारी शुरू'... इस टैगलाइन से साफ है कि फिल्म में दिमागी चालें, धोखे और अप्रत्याशित मोड़ देखने को मिल सकते हैं।

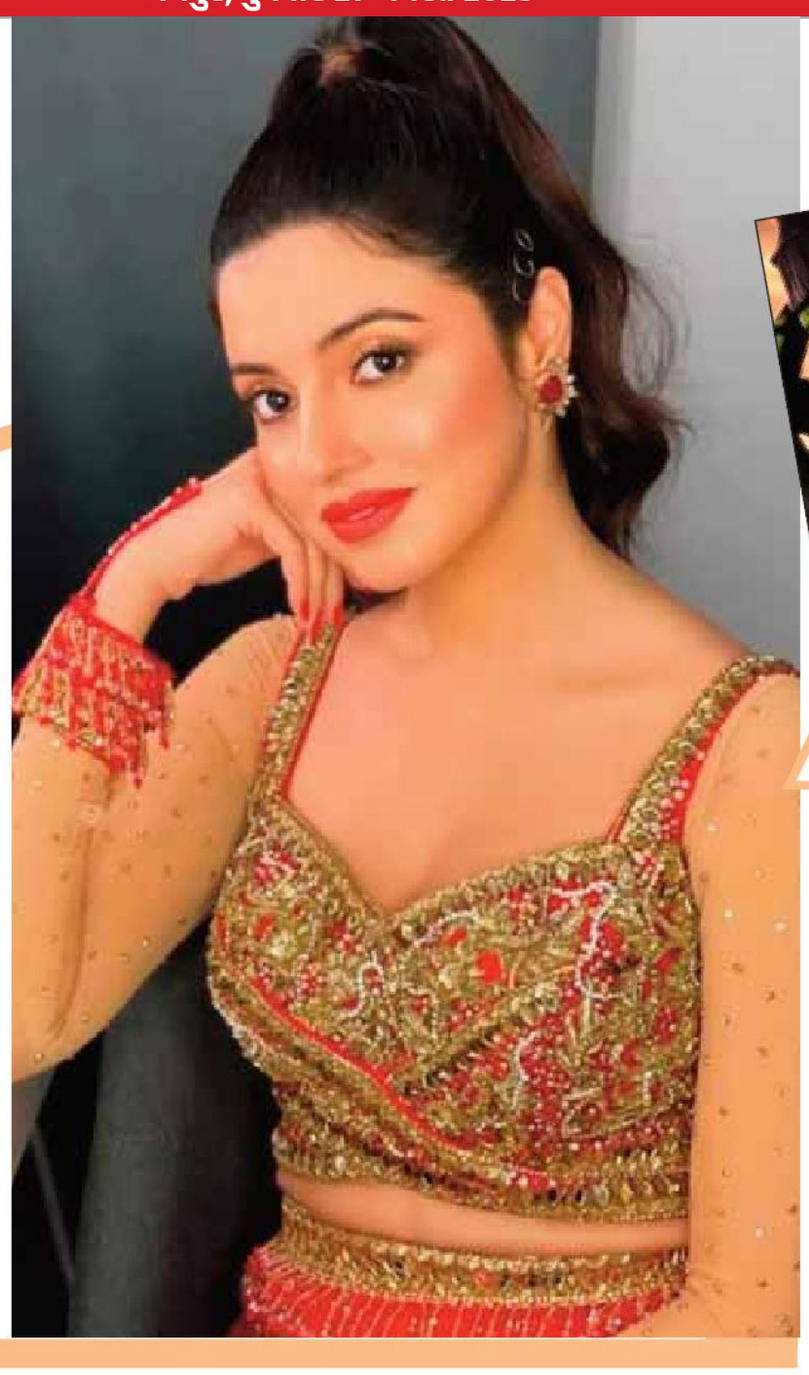

हॉलीवुड मसाला

विकेडः फॉर... 21 नवंबर को होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। 2024 में आई फिल्म 'विकेड' ने 5 ऑस्कर पुरस्कार अपने नाम किए थे। अब इसका दूसरा पार्ट जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। इसमें ऑस्कर विजेता अभिनेत्री मिशेल यो भी हैं। उन्होंने बताया कि क्यों इस फिल्म को दो पार्ट में बनाया गया है। 'विकेड 2' में ओज की चुड़ैलों की उत्पत्ति की कहानी है। 'विकेडः फॉर गुड' 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें सिंथिया एरिवो, एरियाना ग्रांडे, जेफ गोल्डब्लम और जोनाथन बेली भी हैं। 'विकेड' के निर्देशक जॉन एम. चू हैं।

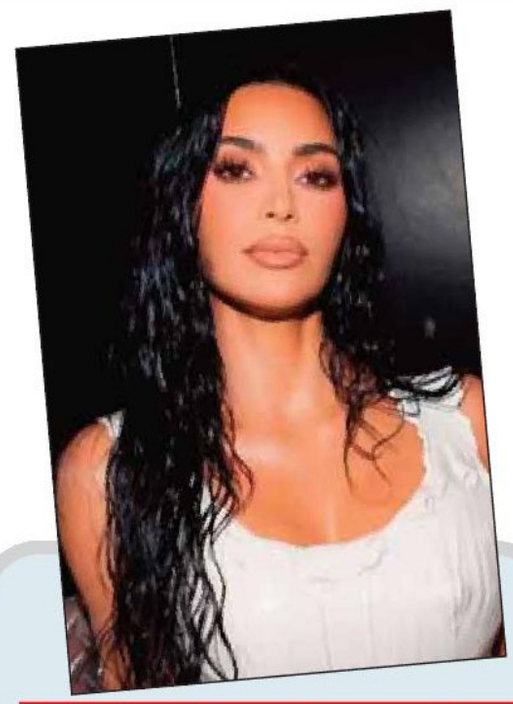

किम ने परिवार के साथ मनाया जश्न

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी रियलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियन ने आखिरकार 6 साल की कठिन मेहनत के बाद लॉ स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर ली है। इस अवसर पर किम ने परिवार और दोस्तों के साथ जश्न मनाया। बता दें कि किम ने यह डिग्री कैलिफोर्निया के 'लॉ ऑफिस स्टडी प्रोग्राम' से हासिल की है। किम ने साल 2021 में किम ने 'बेबी बार' परीक्षा पास की थी, जो कानून की पढ़ाई का पहला पड़ाव होता है। इसके बाद उन्होंने मल्टीस्टेट प्रोफेशनल रिस्पॉन्सिबिलिटी परीक्षा को भी सफलतापूर्वक पास कर लिया। किम ने इस उपलब्धि का जश्न अपने परिवार और दोस्तों के साथ एक निजी समारोह में मनाया। किम ने इंस्टाग्राम पर इस समारोह की कई झलकियां साझा की। किम के दिवंगत पिता रॉबर्ट कार्दशियन भी एक दिग्गज वकील थे।

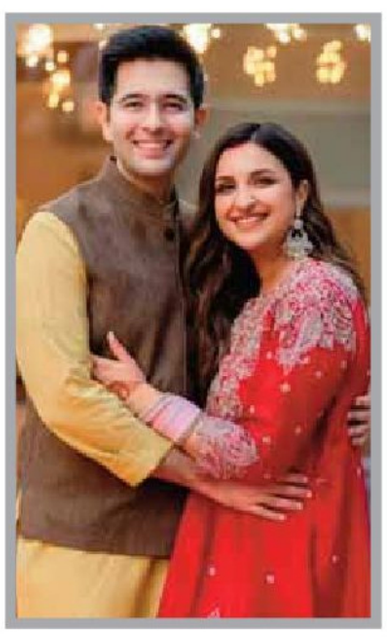

नन्हे मेहमान की किलकारी से गूंजेगा घर...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और सांसद राघव चड्ढा ने अपने पहले बच्चे के आगमन की घोषणा कर दी है। पहले गर्भावस्था की अफवाहों का खंडन करने वाली परिणीति अब मां बनने वाली हैं, यह 'गुड न्यूज़' सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर एक संयुक्त पोस्ट के साथ यह खुशखबरी साझा की। उन्होंने एक खूबसूरत सजे हुए केक की तस्वीर शेयर की, जिसे एक गोल चांदी की थाली में रखा गया था और उसके ऊपर एक मुलायम बेज रंग का कपड़ा बिछा था, जिसके पास ही नाजुक सफेद फूल रखे थे। बीच में, केक के दो छोटे पैरों के सुनहरे निशान हैं और साथ में "1 + 1 = 3" लिखा है, जो उनके बढ़ते परिवार का संकेत देता है। इस पोस्ट में परिणीति और राघव का एक वीडियो भी शामिल है।

जूनियर एनटीआर : नहीं करेंगे काम...

मुंबई। 'वॉर 2' का प्रचार-प्रसार जिस स्तर पर हुआ था, लग रहा था ये बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ देगी। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर का स्टारडम, यशराज जैसा इतना बड़ा प्रोडक्शन हाउस, 400 करोड़ का बजट, एक धांसू फिल्म के लिए जरूरी सारे मसाले इसमें थे, बावजूद इसके फिल्म बेस्वाद रह गई। अब वजह कोई भी रही हो, लेकिन फिलहाल एनटीआर ने बॉलीवुड में काम करने का ख्याल छोड़ दिया है। खबरें थीं कि 'वॉर 2' के बाद एनटीआर यशराज बैनर की एक सोलो हीरो वाली फिल्म में भी काम करेंगे, लेकिन अब खबर आ रही है कि एनटीआर ने फिलहाल इस फिल्म को रोक दिया है। उन्होंने एक नहीं, बल्कि यशराज के साथ कई फिल्मों की डील साइन की थी, लेकिन अब अभिनेता का पूरा ध्यान अपनी तेलुगू फिल्मों पर है।

टीवी मसाला

'नागिन 7' का टीजर आउट

मुंबई। टीवी का पॉपुलर शो 'नागिन' एक बार फिर से अपने नए सीजन के साथ आने वाला है। शो के सातवें सीजन का पहला टीजर मेकर्स ने रिलीज कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर 'नागिन 7' का टीजर रिलीज किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'जिस की बेसब्री से राह देखी आपने हर दिन, आ रही है आपसे मिलने नागिन!' नागिन के सातवें सीजन के टीजर आने से फैंस बेहद एक्साइटेड हो गए हैं। 'नागिन' बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत एकता कपूर निर्मित नागों और नागिन के बारे में बना एक अलौकिक टीवी शो है, जो टीवी पर प्रसारित होता रहा है। पहले सीजन में मौनी रॉय, अर्जुन बिजलानी और अदा खान ने अभिनय किया। 'नागिन' के दूसरे सीजन में मौनी रॉय, करणवीर बोहरा और अदा खान ने अभिनय किया। 'नागिन' ने तीसरे सीजन में सुरभि ज्योति, पर्ल वी पुरी और अनीता हसनंदानी ने अभिनय किया। 'नागिन' के चौथे सीजन में निया शर्मा और विजयेंद्र कुमेरिया ने अभिनय किया। 'नागिन' के पांचवे सीजन में सुरभि चंदना, शरद मल्होत्रा और मोहित सहगल ने अभिनय किया। 'नागिन' के छठे सीजन में तेजस्वी प्रकाश, सिम्बा नागपाल, महक चहल, श्रेय मित्तल और वत्सल शेठ ने मुख्य भूमिकाएं निभाईं। अब वहीं 'नागिन 7' टीजर आज रिलीज हो गया है। बहरहाल, नागिन के चेहरे से पर्दा उठना अभी बाकी है।

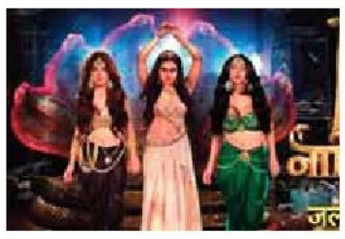

ईशान और विशाल की फिल्म होमबाउंड की आईएफएफएम में हुई ग्रैंड क्लोजिंग

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2025 का शानदार समापन होमबाउंड की आधिकारिक स्क्रीनिंग के साथ हुआ। यह फिल्म, जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नीरज घेवन ने निर्देशित किया है और धर्मा प्रोडक्शंस ने निर्मित किया है, में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म ने ग्रैंड क्लोज़िंग नाइट में दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म ने इस साल फेस्टिवल में दो बड़े अवॉर्ड भी जीते – बेस्ट फिल्म और बेस्ट डायरेक्टर।

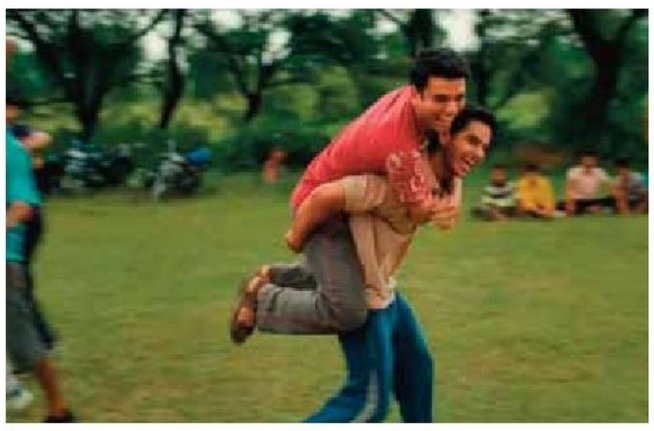

मुंबई। क्लोज़िंग नाइट पर दर्शकों की भारी भीड़ रही और ऑस्ट्रेलियन दर्शकों की बड़ी उत्सुकता के चलते फिल्म की दो स्क्रीनिंग रखी गईं। भावनात्मक कहानी और दमदार अभिनय ने सबका दिल छू लिया और फिल्म खत्म होते ही पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। फिल्म की सफलता पर नीरज घेवन ने कहा, "होमबाउंड को मेलबर्न लाना और यहां दो अवॉर्ड जीतना मेरे लिए बेहद खास है। इतनी विविधता से भरे लोगों के बीच होना एक अद्भुत अनुभव है। मैंने दुनिया के किसी भी कोने में ऐसा सहयोग और समर्थन कभी नहीं देखा जैसा यहां ऑस्ट्रेलियन सरकार और मंत्रीगण इस फेस्टिवल के लिए कर रहे हैं।"

खरीदा अपने सपनों का पेंट हाउस

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी दोनों में एक बेहतरीन दौर का आनंद ले रही हैं। कई सफल फिल्मों और प्रमुख फ्रैंचाइजी में प्रमुख भूमिकाओं के साथ, उन्होंने समर्पण और कड़ी मेहनत से इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है। अपनी उपलब्धियों के अलावा, कृति ने अब मुंबई में अपने सपनों का पेंटहाउस खरीदा है, जो उनके लिए एक खास भावनात्मक मूल्य रखता है। कृति ने बताया कि कैसे उनका यह सपना एक नए पेंटहाउस के साथ हकीकत में बदल गया है। कृति ने बताया कि कैसे लगा। लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि स्थिरता बहुत जरूरी है। मुझे घर घर जैसा ही पसंद है।

मुझे बार-बार घर बदलना पसंद नहीं, खासकर माता-पिता के साथ। मुझे लगता है कि स्थिरता बहुत जरूरी है। वहीं कृति इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म की तैयारियों में बिजी हैं। इसी बीच मुंबई एयरपोर्ट से उनका वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

अपनी उपलब्धियों के अलावा, कृति ने अब मुंबई में अपने सपनों का पेंटहाउस खरीदा है, जो उनके लिए एक खास भावनात्मक मूल्य रखता है।

डू यू वाना पार्टनर 12 सितंबर से होगी रिलीज

मुंबई। प्राइम वीडियो ने घोषणा की, कि उसकी नई ओरिजिनल कॉमेडी-ड्रामा सीरीज, डू यू वाना पार्टनर का प्रीमियर 12 सितंबर को किया जाएगा। इसमें तमन्ना भाटिया और डायना पेंटी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी, इनके साथ जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार निभा रहे हैं। धर्मैटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी यह दिलचस्प और मजेदार सीरीज करण जौहर, आदर पूनावाला और अपूर्व मेहता ने प्रोड्यूस की है, जबकि एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर शोमेन मिश्रा और अर्चित कुमार जुड़े हैं, इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। डू यू वाना पार्टनर की कहानी नंदिनी गुप्ता, अर्श वोरा और मिथुन गंगोपाध्याय ने लिखी है और इसे गंगोपाध्याय व निशांत नायक ने क्रिएट किया है।

'जुगनुमा' का सामने आया नया पोस्टर

मुंबई। बॉलीवुड स्टार मनोज बाजपेयी की नई फिल्म 'जुगनुमा' की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। यह 12 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने एक पोस्टर जारी कर इसकी जानकारी फैंस को दी है। 'जुगनुमा' को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस फिल्म को खूब सराहा गया है। अब इसे भारत में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का एक पोस्टर तरण आदर्श ने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, मनोज बाजपेयी की फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ बटोरने के बाद अब ये भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड विजेता राम रेड्डी ने डायरेक्ट किया है। उन्हें कन्नड़ फिल्म थिथि के लिए ये अवॉर्ड मिला था। इसके पोस्टर में मनोज बाजपेयी अपनी ऑनस्क्रीन फैमिली के साथ दिखाई दे रहे हैं। इसमें एक बच्चा उनके कंधों पर बैठा है और सभी किसी बात का जश्न मनाते दिख रहे हैं। इस फिल्म की कहानी 1980 के दशक की है। इसमें जुगनू महादेव (मनोज बाजपेयी) रहस्यमयी तरीके से जल रहे जंगलों के बारे में पता लगाते हैं। इसमें मनोज बाजपेयी के साथ दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस, तिलोत्तमा शोम, हीरल सिद्धू और अवन पुकोट भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

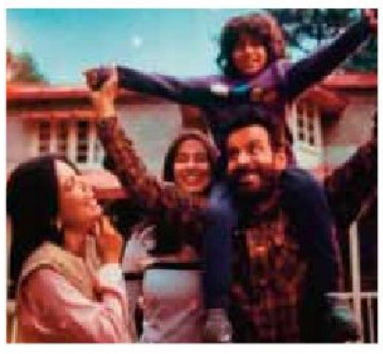

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का टीजर ऑउट

मुंबई। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में अभिनेता वरुण धवन और जाह्नवी कपूर को एक बार फिर साथ देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। वहीं, मेकर्स भी उत्सुकता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा किया था और अब टीजर की जानकारी देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट के साथ एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, "मंडप सजेगी, महफिल जमेगी..पर सनी और तुलसी की एंट्री सारी स्क्रिप्ट बदल देगी। टीजर 28 अगस्त गुरुवार को रिलीज होगा। फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।" शशांक खेतान के निर्देशन में बनी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में एक बार फिर वरुण और जान्हवी स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे।

'सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। फिल्म 'सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह फिल्म ओटीटी पर इसी महीने रिलीज होगी। इसमें सोनी राजदान और सबा आजाद लीड रोल में हैं। यह फिल्म कश्मीर की पहली महिला सिंगर नूर बेगम (राज बेगम) की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म की कहानी पद्मश्री से सम्मानित कश्मीरी गायिका राज बेगम पर बनी हैं, जिन्हें कश्मीर की 'मेलोडी क्वीन' के नाम से भी जाना गया। ट्रेलर में उनके उस संघर्ष की झलक है, जिन्होंने उन्हें लोकप्रिय गायिका बनाया। वह दौर ऐसा था कि कश्मीर में महिलाओं को गाने की इजाजत नहीं थी। मगर, तब राज बेगम ने परिवर्तित नाम के साथ यह सफर शुरू किया, विरोध झेला और फिर लगन और मेहनत के बूते सफलता के शिखर पर पहुंचीं। फिल्म में सोनी राजदान और सबा आजाद दोनों ने राज बेगम का रोल अदा करते हुए अलग-अलग समयकाल को दिखाया है। ट्रेलर की शुरुआत में एक शख्स नूर बेगम (सोनी राजदान) से उनकी कहानी पूछता है। वे कहती हैं, क्या करेंगे मेरी कहानी का? जवाब मिलता है, 'आपकी कहानी लोगों तक पहुंचाना बहुत जरूरी है'। अगले दृश्य में सबा आजाद की एंट्री होती है।

खबर संक्षेप

महिला क्रिकेट विश्व कप : पाकिस्तान की टीम घोषित फातिमा सना को कमान

लाहौर। हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 मैच के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली बल्लेबाज इमन फातिमा को भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप के लिए फातिमा सना की कप्तानी वाली 15 सदस्यीय पाकिस्तानी टीम में शामिल किया गया है। इमन ने मई में पाकिस्तान के राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट में भी शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले विश्व कप में पाकिस्तान के लिए खेल चुकी 23 वर्ष की सना 30 सितंबर से 2 नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट में पहली बार कप्तानी करेंगी। आईसीसी क्वालीफायर खेल चुकी पाकिस्तानी टीम में दो बदलाव करते हुए गुल फिरोजा और नजीहा अल्वी की जगह इमन और सदफ को शामिल किया गया है। फिरोजा, अल्वी, तुबा हसन, उम्म ए हनी और वहीदा अख्तर रिजर्व खिलाड़ी होंगे।

टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला : रोहित

मुंबई। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर के कुछ पहलुओं पर विचार करते हुए कहा कि यह प्रारुप चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला है लेकिन उन्होंने अपनी तैयारी पर ध्यान देकर खुद को टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए तैयार किया। रोहित ने इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच में 40.58 की औसत से 4301 रन बनाए। उन्होंने इससे एक साल पहले टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारुप से संन्यास ले लिया था। रोहित ने कहा, 'यह ऐसी चीज है जिसके लिए आपको तैयारी करनी होती है, क्योंकि इस खेल में आपको लंबे समय तक मैदान पर रहना होता है विशेष कर टेस्ट क्रिकेट में, जिसमें आपको पांच दिन तक खेलना होता है।

डब्ल्यूएफआई ने नेहा को किया निलंबित

नई दिल्ली। अधिक वजन के कारण हाल ही में अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में अयोग्य घोषित की गई पहलवान नेहा सांगवान को सोमवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने 'लगातार वजन प्रबंधन संबंधी समस्याओं' के कारण सीनियर विश्व चैंपियनशिप टीम से बाहर करने के अलावा दो साल के लिए निलंबित कर दिया। हरियाणा की नेहा को पिछले हफ्ते बुल्गारिया के समोकोव में महिलाओं के 59 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करनी थी लेकिन उनका वजन निर्धारित सीमा से लगभग 600 ग्राम अधिक था। आयोजकों ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया और भारत उस भार वर्ग में प्रतिनिधित्व नहीं कर सका। भारत की महिला टीम ने सात पदक जीते और जापान के बाद उपविजेता रही।

एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 15 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। अगले महीने टोक्यो में होने वाली एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में लगभग 15 भारतीय खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है जबकि हंगरी में 2023 विश्व चैंपियनशिप में देश के 28 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। बुडापेस्ट में 2023 में हुए विश्व चैंपियनशिप में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में स्वर्ण जीता था। देश के रिले दौड़ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद नहीं होने के कारण, विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने वाले भारतीयों की संख्या में कमी आई है। भारत ने 2023 में पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर रिले के लिए सात धावक नामित किए थे और चौकड़ी ने तत्कालीन एशियाई रिकॉर्ड कायम किया था। इस चौकड़ी ने पांचवां स्थान हासिल किया था। पिछले सत्र की तरह टोक्यो में भी पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में कम से कम तीन भारतीयों के प्रतिस्पर्धा करने की संभावना है।

सीएएफए नेशन्स कप: कोच जमील के मार्गदर्शन में पहला टूर्नामेंट खेलेगी भारतीय टीम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बेंगलुरु। भारतीय फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच खालिद जमील ने 29 अगस्त से शुरू हो रहे सीएएफए नेशन्स कप के लिए सोमवार को 23 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। राष्ट्रीय टीम का जमील के मार्गदर्शन में यह पहला टूर्नामेंट होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए ताजिकिस्तान जाएगी, जहां उसे ग्रुप बी में मेजबान, गत चैंपियन ईरान और अफगानिस्तान के साथ रखा गया है। गोलकीपर गुरप्रीत सिंह की टीम में वापसी हुई है।

गोलकीपर गुरप्रीत सिंह की वापसी, ताजिकिस्तान में 29 अगस्त से शुरू होगी स्पर्धा

ईरान के खिलाफ 1 को मुकाबला

भारत मेजबान ताजिकिस्तान से 29 अगस्त को भिड़ेगा जबकि ईरान के खिलाफ एक सितंबर और अफगानिस्तान के खिलाफ चार सितंबर को खेलेगा। जमील ने 29 खिलाड़ियों की मौजूदगी में हुए शिविर के बाद अंतिम टीम का चयन किया है। मोहन बागान ने अपने सात खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के लिए छोड़ने से इनकार कर दिया क्योंकि यह प्रतियोगिता फीफा विंडो (अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए फीफा द्वारा निर्धारित समय) का हिस्सा नहीं है। ईस्ट बंगाल के अनवर अली, नाओरेम महेश सिंह और जैकसन सिंह थोनाओजम पिछले शुक्रवार को शिविर से जुड़े जबकि जितिन एमएस क्लब के साथ अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी करने के बाद रविवार को शिविर का हिस्सा बने।

भारतीय टीम -गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, ऋतिक तिवारी। **डिफेंडर:** राहुल भेके, नाओरेम रोशन सिंह, अनवर अली, संदेश झिंगन, चिंगलेनसाना सिंह, हिंगथनमाविया राल्ते, मुहम्मद उवैस। **मिडफील्डर:** निखिल प्रभु, सुरेश सिंह वांगजाम, दानिश फारूक भट, जैकसन सिंह, बोरिस सिंह, आशिक कुरुनियन, उदांता सिंह, नाओरेम महेश सिंह। **फारवर्ड:** इरफान यदवाड, मनवीर सिंह (जूनियर), जितिन एमएस, लालियानजुआला चांगटे, विक्रम प्रताप सिंह। **मुख्य कोच:** खालिद जमील।

करिश्माई सुनील छेत्री टीम से बाहर

जमील ने इन चारों को सीएएफए नेशन्स कप के लिए चुना है। अनुभवी गोलकीपर गुरप्रीत सिंह की टीम में वापसी हुई है। करिश्माई सुनील छेत्री टीम का हिस्सा नहीं हैं क्योंकि जमील ने उन्हें शिविर के लिए नहीं बुलाया है। मोहन बागान के लिस्टन कोलासो, मनवीर सिंह और सुभाशीष बोस भी टीम का हिस्सा नहीं हैं क्योंकि उनके क्लब ने उन्हें राष्ट्रीय शिविर में भेजने से इनकार कर दिया था। टूर्नामेंट के प्रारुप के अनुसार प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम आठ सितंबर को होने वाले प्ले ऑफ में जगह बनाएंगी। ग्रुप के उप विजेता दुशांबे में तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलेंगे जबकि ग्रुप विजेताओं के बीच फाइनल ताशकंद में होगा। जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच के रूप में प्रभावित करने वाले जमील को भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ाना होगा, जिसे एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में जूझना पड़ा है। शुरुआती दो मैच के बाद उसका सिर्फ एक अंक है और टीम अंतिम स्थान पर चल रही है।

खिलाड़ियों की अनुपलब्धता को नहीं दी तवज्जो : जमील

बेंगलुरु। भारत के नए मुख्य कोच खालिद जमील ने सोमवार को आगामी सीएएफए नेशंस कप के लिए राष्ट्रीय शिविर में कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के बारे में चल रही चर्चा को तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि टीम अगामी चुनौती के लिए तैयार है। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैंपियन मोहन बागान सुपरजायंट ने अपने सात खिलाड़ियों को शिविर के लिए छोड़ने से इनकार कर दिया था। मोहन बागान का तर्क था कि उसके लिए ऐसा करना अनिवार्य नहीं है क्योंकि यह टूर्नामेंट फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो में नहीं आता। मोनालो मार्क्वेज की जगह भारतीय टीम के मुख्य कोच बने जमील को 29 खिलाड़ियों के शिविर में से अपने अंतिम 23 सदस्यों के टीम का चयन करना था। जमील ने भारत के मुख्य कोच के तौर पर अपनी पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा, ' चुनौतियों की बात करें तो कुछ क्लब कुछ कारणों से खिलाड़ियों को नहीं छोड़ रहे हैं। हम घरेलू सत्र शुरू होने से पहले यह टूर्नामेंट खेल रहे हैं।

जीत का रिकॉर्ड 19-0 किया, लर्नर टियेन को 6-1, 7-6, 6-2 से मात दी

अमेरिकी ओपन : चोटिल जोकोविच ने बाधाओं को पार कर जीता पहला दौर

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

नोवाक जोकोविच थके हुए दिखे, चोटिल और उम्रदराज भी लेकिन इन सभी बाधाओं से पार पाकर अमेरिकी ओपन के पहले दौर में जीत दर्ज की। 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन जोकोविच ने अमेरिकी ओपन के पहले दौर में जीत का रिकॉर्ड 19-0 कर लिया और पैर की तकलीफ के बावजूद लर्नर टियेन को 6-1, 7-6, 6-2 से मात दी। जोकोविच ने दूसरे सेट में कई बार अपना हाथ घुटने पर रखा और फिर उन्हें उपचार भी लेना पड़ा। तीसरे सेट के पहले गेम में अपनी सर्विस टूटने के बाद उन्होंने अगले पांच गेम जीतकर वापसी की।

पहला सेट सिर्फ 24 मिनट में जीता

उन्होंने जीत के बाद कहा,' पता नहीं क्या हुआ। मुझे कोई चोट भी नहीं लगी है लेकिन परेशानी हो रही थी।' विम्बलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनेर से हारने के बाद यह उनका पहला मैच था। अड़तीस बरस के इस धुरंधर ने पहला सेट सिर्फ 24 मिनट में जीता लेकिन करीब एक घंटे तक चले दूसरे सेट में थके हुए दिखे। तीसरे सेट में उन्होंने वापसी की और ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में लगातार 75वां मैच जीता।

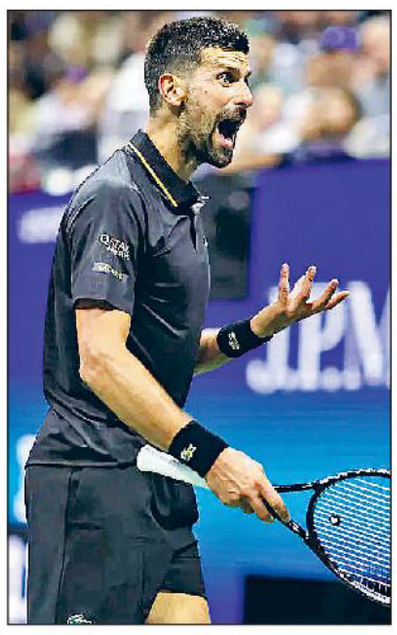

दूसरे दौर में पेगुला और पाओलिनी

चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने मिस्र की मेयर शेरिफ को 6-0, 6-4 से शिकस्त देकर यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। यह मुकाबला एक घंटे 15 मिनट तक चला। अब जेसिका पेगुला का सामना एन्ना ब्लिंकोवा से होगा, जिन्होंने पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-1 से हराया। दूसरे सेट में, शेरिफ ने अपनी लय पकड़ी और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, पेगुला ने अपनी लय वापस पाते हुए जीत दर्ज की। इस बीच, सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी ने क्वालीफायर डेस्टेनी ऐवा को 6-2, 7-6(4) से हराकर यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

दूसरे दौर में सबालेंका

न्यूयॉर्क। अमेरिकी ओपन 2021 जीतने वाली एम्मा रादुकानू ने 18 वर्ष की उम्र में एक क्वालिफायर के तौर पर खिताब जीतने के बाद यहां पहली जीत दर्ज करते हुए जापान की क्वालिफायर एना सिनबाहारा को 6-1, 6-2 से मात दी। गत चैंपियन एरिना सबालेंका ने स्विटरलैंड की रेबेका मासारोवा से मिली कड़ी चुनौती का सामना करके 7-5, 6-1 से जीत के साथ अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सबालेंका इस साल पहले तीन ग्रैंडस्लैम में खिताब नहीं जीत सकी हैं। उन्होंने कहा,'मैं सत्र का समापन ग्रैंडस्लैम खिताब और नंबर वन रैंकिंग के साथ करना चाहती हूं।' अब उनका सामना पोलिना मुदेरमेतोवा से होगा जिन्हें फरवरी में दुबई में वह हरा चुकी हैं।

रादुकानू ने पहला मैच जीता

अमेरिकी ओपन 2021 जीतने वाली एम्मा रादुकानू ने 18 वर्ष की उम्र में एक क्वालिफायर के तौर पर खिताब जीतने के बाद यहां पहली जीत दर्ज करते हुए जापान की क्वालिफायर एना सिनबाहारा को 6-1, 6-2 से मात दी। चार साल पहले खिताब जीतकर सभी को चौंका देने वाली राडुकानू 2022 में पहले दौर में हार गई, जबकि 2023 में कलाई और टखने के आपरेशन के कारण खेल नहीं सकी। पिछले साल भी वह पहले दौर में हार गई थीं। अब 22 साल की हो चुकी ब्रिटेन की राडुकानू ने इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए रैंकिंग में 70वें से 36वां स्थान हासिल कर लिया।

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप

एक साल बाद मीराबाई की वापसी गोल्ड जीत बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

एक साल के लंबे अंतराल के बाद वापसी करने वाली मीराबाई चानू ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में नए रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वजन वर्ग में कुल 193 किग्रा (84 किग्रा + 109 किग्रा) वजन उठाकर राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में कुल, स्नैच और क्लीन एंड जर्क के रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

पहले प्रयास में लड़खड़ाई

31 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 49 किग्रा में भाग लेती थी लेकिन यह वजन वर्ग अब ओलंपिक में शामिल नहीं है। मीराबाई पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में भाग ले रही है। पेरिस ओलंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थी। मी रा बा ई चोटिल होने के कारण पिछले एक साल में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थी इसलिए उन्हें लय हासिल करने में भी समय लगा। स्नैच में 84 किग्रा के अपने पहले प्रयास में वह लड़खड़ा गईं। उनके दाहिने घुटने में तकलीफ दिखाई दी, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने उतना ही वजन उठाया। 89 किग्रा का उनका तीसरा प्रयास भी असफल रहा। कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा न होने के कारण मीराबाई असल में खुद से ही मुकाबला कर रही थीं। उन्होंने क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाकर शुरुआत की। उन्होंने इसे बढ़ाकर 109 किग्रा कर लिया, लेकिन 113 किग्रा का अपना अंतिम प्रयास पूरा नहीं कर सकीं।

नीरू ने ट्रैप में स्वर्ण, भवनीश ने रजत और आशिमा ने कांस्य जीता

शिमकेंट। राष्ट्रीय खेलों की चैंपियन नीरू ढांडा ने सोमवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला ट्रैप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि अन्य भारतीय खिलाड़ियों में भवनीश मेंदिरत्ता ने रजत और आशिमा अहलावत ने कांस्य पदक हासिल किया। नीरू ने फाइनल में 43 अंक बनाकर कतर की बासिल रे (37) और आशिमा (29) को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। पुरुषों के ट्रैप फ्राइनल में भवनीश मेंदिरत्ता ने 45 अंक बनाकर रजत पदक जीता। चीन के निशानेबाज यिंग की (47) और पेंग्यू चेन (35) ने क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। भवनीश क्वालीफिकेशन में चौथे स्थान पर रहे थे, जबकि कायनन चेनाई 15वें स्थान पर रहे। लक्ष्य श्योराण 41वें स्थान पर रहे। पहले दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। नीरू, आशिमा और प्रीति रजक ने महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में 319 अंक के साथ टीम स्वर्ण पदक भी जीता। भारतीय टीम चीन और कुवैत से आगे रही। नीरू और आशिमा ने शूट-ऑफ के बाद क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहकर छह महिलाओं के फाइनल में प्रवेश किया। नी रू भारतीय ट्रैप निशानेबाज लक्ष्य श्योराण की चचेरी बहन हैं और उन्हें खेलते हुए देखने के बाद उन्होंने इस खेल को अपनाया। महिलाओं की 25 मीटर एयर पिस्टल में भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओ के फाइनल में छठे स्थान पर रहीं। मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रहीं वियतनाम की तू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रहीं। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया । कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। नाम्या और तेजस्विनी क्वालीफिकेशन में पहले दो स्थान पर रहीं जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यूयू झांग ने स्वर्ण और जियारूइशुआन शियाओ ने रजत पदक जीता। मनु, ईशा और सिमरनप्रीत कौर बरार की भारतीय तिकड़ी ने 1749 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया ।

महिला डीपीएल : साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने जीता खिताब

नई दिल्ली। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने पिछले साल फाइनल में मिली हार को भुलाते हुए सेंट्रल दिल्ली क्वींस को वर्षाबाधित मैच में एक रन से हराकर महिला दिल्ली प्रीमियर लीग खिताब जीत लिया। जीत के लिए 122 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए क्वींस शुरू से ही दबाव में रहीं और 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। क्वींस ने एक समय पांच विकेट 74 रन पर गंवा दिए थे लेकिन इसके बाद मोनिका (28 गेंद में 33 रन) और रिया शौकीन (28 गेंद में नाबाद 28) ने छठे विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी करके जीत की उम्मीदें जगाई। मोनिका के आउट होने के बाद हालांकि रिया को दूसरे छोर से मदद नहीं मिल सकी। सुपरस्टार्स के लिये मेधावी बिधुड़ी ने तीन ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि हिमाक्षी चौधरी को दो विकेट मिले।

ड्रीम 11 से करार खत्म, बीसीसीआई को अब नए प्रायोजक की तलाश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फैंटेसी स्पोर्टस कंपनी ड्रीम 11 अब भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल प्रायोजक नहीं है और बोर्ड ने उसके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है लेकिन यह अगले महीने एशिया कप से पहले होने की संभावना नहीं है। हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025' के तहत सरकार के वास्तविक धन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के बाद ड्रीम 11 अब भारतीय क्रिकेट टीम का टाइटल प्रायोजक नहीं है।

दूसरे विकल्प की तलाश में प्रक्रिया जारी

बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की कि ड्रीम11 के साथ करार खत्म हो गया है और बीसीसीआई विभिन्न राष्ट्रीय टीमों के लिए नए टाइटल प्रायोजक की तलाश की प्रक्रिया में है। सैकिया ने कहा,' हमारा रुख स्पष्ट है। नियम बनने के बाद बीसीसीआई ड्रीम 11 या अन्य गेमिंग कंपनी के साथ प्रायोजन करार नहीं रख सकती। नए नियम के तहत अब इसकी कोई गुंजाइश ही नहीं है।' उन्होंने कहा,' इसलिए हम दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं और प्रक्रिया जारी है। हम प्रायोजक की तलाश में है और अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है।

ड्रीम 11 ने खरीदा था 358 करोड़ रुपए में टाइटल

भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 था और इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है। ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार लगभग 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनका करार खत्म होने में अभी एक साल बाकी है लेकिन इसके लिए उन्हें कोई दंड नहीं लगाया जाएगा। बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा,'बीसीसीआई अपने प्रायोजक ही परेशानी को पूरी तरह समझता है। यह उनकी गलती नहीं है और भुगतान में चूक के अन्य मामलों की तरह ड्रीम11 पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा।

बेटफ्रेड ब्रिटिश मास्टर्स

अहलावत के आखिरी में 3 बर्डी

एजेंसी ▶▶| सुटोन कोल्डफील्ड

भारत के वीर अहलावत आखिरी दौर में दो ओवर 74 के खराब स्कोर के साथ बेटफ्रेड ब्रिटिश मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 54वें स्थान पर रहे। भारत के दूसरे खिलाड़ी शुभंकर शर्मा कट में प्रवेश नहीं कर सके थे । पीजीटीआई आर्डर आफ मेरिट में शीर्ष पर रहे अहलावत ने एक ओवर से 73-71-71-74 स्कोर किया। उन्होंने आखिरी दौर में तीन बर्डी लगाए, तीन बोगी और एक डबल बोगी किया। एलेक्स नोरेन ने सात साल बाद अपना 11वां डीपी वर्ल्ड टूर खिताब जीता।

सीपीकेसी ओपन

अदिति संयुक्त 36वें स्थान पर

एजेंसी ▶▶| मिसिसॉगा (कनाडा)

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक सीपीकेसी महिला ओपन में चार दिन में तीसरी बार इवन पार 71 के स्कोर के साथ संयुक्त 36वें स्थान पर रही । कनाडा की ब्रूक हेंडरसन ने आस्ट्रेलिया की मिंजी ली को एक स्ट्रोक से हराकर दूसरी बार खिताब जीता। उनका चार अंडर 68 और कुल स्कोर 15 अंडर 269 रहा । जापान की माओ साइगो तीसरे स्थान पर रही।

हिल्स ओपन

प्रणवी के दो अंडर 69 स्कोर

एजेंसी ▶▶| गोटेनबर्ग (स्वीडन)

आखिरी दौर में डबल बोगी करने से भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स की शीर्ष 15 में रहने की उम्मीदों पर तुषारापात हो गया और वह हिल्स ओपन में संयुक्त 21वें स्थान पर रही। चोट के बाद वापसी कर रही प्रणवी ने दो अंडर 69 स्कोर किया। भारत की हिताषी बख्शी संयुक्त 41वें स्थान पर रही जबकि स्नेहा सिंह संयुक्त 47वें स्थान पर रही। भारत की त्वेसा मलिक, अमनदीप द्राल, अवनि प्रशांत और वाणी कपूर कट में प्रवेश नहीं कर सकी थी। स्वीडन की अमैच्योर मेजा ओर्टेंग्रेन ने अपने देश में पहला लेडीज यूरोपीय टूर खिताब जीता।

सिनक्यूफील्ड कप

प्रज्ञानानंदा ने खेला लगातार पांचवां ड्रा, दूसरे स्थान पर बरकरार

सेंट लुइस (अमेरिका)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ग्रैंड शतरंज टूर के सिनक्यूफील्ड कप के छठे दौर में पोलैंड के जान क्रिस्टोफ डुडा से ड्रॉ खेलकर संयुक्त दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। प्रज्ञानानंदा का यह लगातार पांचवां ड्रॉ था। अब उनके छह मुकाबलों में 3.5 अंक हैं। अमेरिका के फेबियानो कारुआना चार अंक लेकर शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानानंदा के साथ अमेरिका के लेवोन आरोनियन भी दूसरे स्थान पर हैं। विश्व चैंपियन डी. गुकेश, अमेरिका के वेसली सो और सैमुअल सेवियान, फ्रांस के अलीरजा फिरोजा और मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। छठे दौर में गुकेश ने फिरोजा से ड्रॉ खेला।

आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि लड़ाकू युद्धपोत का आज होगा जलावतरण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विशाखापत्तनम में एक साथ दो नीलगिरि क्लास के स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को कमीशन करेगी। भारत में निर्मित ये दोनों युद्धपोत प्रोजेक्ट 17 अल्फा (पी-17ए) का हिस्सा है। आईएनएस नीलगिरि, को इस साल की शुरुआत में कमीशन किया गया था

अरब सागर में बढ़ा भारतीय नौसेना का दबदबा

भारतीय नौसेना की ताकत में बढ़ोतरी होने वाली है। नीलगिरि श्रेणी की दो स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में एक साथ कमीशन होने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय नौसेना 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में एक साथ दो नीलगिरि क्लास के स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को कमीशन करेगी।

भारत में निर्मित ये दोनों युद्धपोत प्रोजेक्ट 17 अल्फा (पी-17ए) का हिस्सा हैं, जिसके तहत प्रमुख पोत, आईएनएस नीलगिरि, को इस साल की शुरुआत में कमीशन किया गया था। यह पहली बार है कि दो प्रतिष्ठित भारतीय शिपयार्डों के दो प्रमुख लड़ाकू जहाजों का कमीशन एक ही समय में हो रहा है। इसके साथ ही, भारत के पास तीन फ्रिगेट वाला एक स्क्वाड्रन होगा जो स्वदेशी क्षमता के जरिए देश की औद्योगिक-तकनीकी क्षमता और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन का प्रदर्शन करेगा।

- आईएनएस उदयगिरी नौसेना डिजाइन का 100वां जहाज
- अब भारत के पास होगा तीन स्वदेशी फ्रिगेट वाला स्क्वाड्रन

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत ने पकड़ बनाई

भारत के लिए मुख्य चुनौती चीन का बढ़ता समुद्री विस्तार है, जिसने हिंद महासागर में मोतियों की माला नीति के तहत ग्वादर (पाकिस्तान), हंबनटोटा (श्रीलंका), चटगांव (बांग्लादेश) और जिबूती में अपनी पकड़ बना ली है। ऐसी स्थिति में, नीलगिरि श्रेणी के युद्धपोत भारत के लिए एक मजबूत निवारक के रूप में काम करेंगे। ये फ्रिगेट न केवल समुद्री व्यापार मार्गों की रक्षा करेंगे, बल्कि मलक्का जलडमरूमध्य से लेकर अफ्रीका तक हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की नौसैनिक उपस्थिति को भी विश्वसनीय बनाएंगे।

14 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

दोनों जहाज 200 से ज्यादा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) उद्योगों में फैले एक इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम का परिणाम हैं, जो लगभग 4,000 प्रत्यक्ष और 10,000 से ज्यादा अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराते हैं। आईएनएस उदयगिरि का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा किया गया है और यह नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया 100वां जहाज है। आईएनएस हिमगिरि, कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित किए जा रहे पी-17ए जहाजों में से पहला है।

शिवालिक श्रेणी के फ्रिगेट से 5% बड़े

ये दोनों मिसाइलें पहले के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ीगत छलांग का प्रतिनिधित्व करती हैं। लगभग 6,700 टन क्षमता वाले, पी-17ए फ्रिगेट अपने पहले के शिवालिक श्रेणी के फ्रिगेट से लगभग पांच प्रतिशत बड़े हैं और फिर भी इनका आकार अधिक सुडौल है, तथा इनका रडार क्रॉस-सेक्शन कम है।

सुपरसोनिक मिसाइलों से सुसज्जित

ये दोनों युद्धपोत इस हथियार ग्रुप में सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एक 76 मिमी एमआर गन, और 30 मिमी तथा 12.7 मिमी की क्लोज-इन हथियार प्रणालियों का संयोजन, और पनडुब्बी रोधी/पानी के नीचे की हथियार प्रणालियां शामिल हैं।

खबर संक्षेप

चीन ने अंतरिक्ष में उपयोग किया एआई चैटबॉट

नई दिल्ली। एआई चैटबॉट अब धरती पर ही नहीं अब स्पेस में भी अपने पैर जमाने लगा है। चीन ने

अपने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर एक नया एआई चैटबॉट तैनात किया है, जिसे 'वुकोंग एआई' नाम दिया गया है। यह नाम एक प्रसिद्ध चीनी पौराणिक कथा 'मंकी किंग' से लिया गया है, जो चतुराई, अनुकूलन क्षमता और ज्ञान की खोज का प्रतीक है। यह चैटबॉट नेविगेशन, टैक्टिकल प्लानिंग और जटिल परिस्थितियों में तेजी से जानकारी उपलब्ध कराने में सक्षम है। पिछले महीने लाइव होने के बाद इसने तीन ताइकॉनॉट्स को 6.5 घंटे स्पेसवॉक के दौरान सहयोग दिया।

सरकारी दफ्तरों में पेन ड्राइव और वाट्सएप पर रोक

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने आदेश जारी कर कहा है कि अब सिविल सचिवालय और सभी

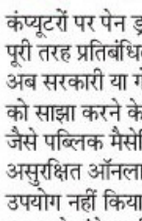

जिलों के डिप्टी कमिश्नर कार्यालयों सहित प्रशासनिक विभागों के आधिकारिक कंप्यूटरों पर पेन ड्राइव का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साथ अब सरकारी या गोपनीय दस्तावेजों को साझा करने के लिए वाट्सएप जैसे पब्लिक मैसेजिंग प्लेटफॉर्म या असुरक्षित ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इस कदम से संवेदनशील जानकारियों की सुरक्षा, डेटा लीक रोकने और अनाधिकृत एक्सेस की संभावना को खत्म करने में मदद मिलेगी।

पाक 1971 के जनसंहार के लिए माफी मांगे

ढाका। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 में हुए जनसंहार के लिए माफी मांगने को कहा है। पाक के

डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार बांग्लादेश दौरे पर गए थे। विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने कहा कि 1971 की जंग में पाकिस्तानी सेना पर हजारों बांग्लादेशी महिलाओं के साथ रेप, हत्या और आगजनी का आरोप लगा था। पाकिस्तान को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए।

राजनाथ सिंह की पाक को दो टूक

आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा, हमने कर्म देखकर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का भारत ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा था और हमने कर्म देखकर मारा।

राजस्थान के जोधपुर में रक्षा एवं खेल अकादमी के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का करारा जवाब दिया और निर्धारित लक्ष्यों को सटीकता के साथ हासिल किया।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युवाओं द्वारा दिखाए गए उत्साह और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता, उन्होंने कहा कि जहां पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों के धर्म के आधार पर उनकी हत्या की, वहीं भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को शरण देने वालों को उनके कृत्य के आधार पर खात्मा किया। उन्होंने इस ऑपरेशन को नए भारत की पहचान बताया।

राष्ट्रीय सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों ने सशस्त्र बलों को पूर्ण समर्थन दिया, जो इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सरकार या सेना की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि नागरिक, विशेषकर युवा, अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और समर्पित रहें, तो देश किसी भी कठिनाई का सामना कर सकता है और मजबूत बन सकता है। उन्होंने नागरिकों से एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण का आह्वान किया जो ज्ञान, संस्कृति और शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी हो।

रक्षा, शिक्षा और खेल का समन्वय जरूरी

राजनाथ सिंह ने कहा कि एक सुरक्षित और मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए रक्षा, शिक्षा और खेल का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ज्ञान प्रदान करती है जबकि रक्षा से सुरक्षा सुनिश्चित होती है। दृढ़ता, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प जैसे गुण एक सैनिक के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने एक खिलाड़ी के लिए।

पीएम मोदी ने फिजी के समकक्ष राबुका के साथ की वार्ता

चिकित्सा, कृषि सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को करेंगे मजबूत

8 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

पीएम मोदी ने कहा कि भारत फिजी की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण और उपकरण सहायता प्रदान करेगा। इसके तहत फिजी स्थित भारतीय उच्चायोग में रक्षा अटैची पद का सृजन होगा। फिजी के शाही सैन्य बलों को एम्बुलेंस उपहार में दी जाएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को फिजी के पीएम सितवेनी लिगामामादा राबुका के साथ व्यापक वार्ता की, जिसमें चिकित्सा, कृषि, व्यापार, और निवेश जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

दोनों नेताओं की बातचीत के बाद भारत और फिजी ने आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन फिजी के लिए खतरा है, हम आपदा से निपटने में उसकी मदद करेंगे। बता दें, फिजी के पीएम सितवेनी लिगामामादा राबुका रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के पीएम के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है।

फिजी विश्वविद्यालय में हिंदी-सह-संस्कृत शिक्षक की प्रतिनियुक्ति होगी

फिजी भारत-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) में शामिल हुआ

भारतीय घी का फिजी के बाजार में प्रवेश

फिजी और भारत ने कई व्यापार और निवेश में नई संभावनाएं तलाशने के उद्देश्य से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और फिजी वाणिज्य एवं नियोक्ता संघ (एफसीईएफ) के बीच समझौता ज्ञापन किया गया है। फिजी के बाजार में भारतीय घी का प्रवेश होगा। अगले वर्ष फिजी से संसदीय प्रतिनिधिमंडल और वोट काउंसिल ऑफ चीफ्स के प्रतिनिधिमंडल का भारत दौरा होगा। फिजी विश्वविद्यालय में एक हिंदी-सह-संस्कृत शिक्षक की प्रतिनियुक्ति होगी। फिजी के पंडितों के एक समूह को भारत प्रशिक्षण देने में सहायता करेगा।

इन समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

फिजी में सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने और चलाने पर, जनऔषधि स्कीम के तहत दवाओं की आपूर्ति पर, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और राष्ट्रीय मापन एवं मानक विभाग (डीएनटीएमएस) के बीच मानकीकरण के क्षेत्र में सहयोग पर, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), भारत और पैसिफिक पॉलिटेक के बीच कौशल विकास पर, त्वरित प्रभाव परियोजना (क्यूआईपी) के कार्यान्वयन हेतु भारतीय अनुदान सहायता के संबंध में, भारत और फिजी के बीच प्रवासन और गतिशीलता पर आशय की घोषणा, फिजी पक्ष के द्वारा सुवा में भारतीय चांसरी भवन का लीज डीड सौंपना, भारत-फिजी संयुक्त वक्तव्य: वेइलोमनी दोस्ती की भावना के साथ साझेदारी।

रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में करेंगे सहयोग

भारत और फिजी के बीच रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग करने पर सहमति बनी है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत फिजी की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण और उपकरण सहायता प्रदान करेगा। इसके तहत फिजी स्थित भारतीय उच्चायोग में रक्षा अटैची पद का सृजन होगा। भारत की ओर से फिजी के शाही सैन्य बलों को एम्बुलेंस उपहार में दी जाएगी। भारत फिजी में साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण प्रकोष्ठ (सीएसटीसी) की स्थापना करेगा। इसी संदर्भ में फिजी भारत-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) में शामिल हुआ है।

कृषि ड्रोन की आपूर्ति करेगा भारत

विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत ने फिजी को कृषि क्षेत्र में सहयोग करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और फिजी विकास बैंक के बीच समझौता ज्ञापन हुआ है। भारत फिजी के चीनी अनुसंधान संस्थान को कृषि ड्रोन की आपूर्ति करेगा। फिजी के चीनी उद्योग और बहुजातीय कार्य मंत्रालय को चल मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं की आपूर्ति करेगा।

लड़ाकू विमान मिग-21 ने नाल में अंतिम उड़ान भरी

विदाई की बेला

बीकानेर। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू बेड़े की रीढ़ रहे मिग-21 लड़ाकू विमानों ने बीकानेर के नाल स्थित वायुसैनिक अड्डे पर अपनी अंतिम उड़ान भरी। इन विमानों को 26 सितंबर को चंडीगढ़ में आयोजित औपचारिक सेवानिवृत्ति समारोह में अंतिम विदाई दी जाएगी। मिग-21 की प्रतीकात्मक विदाई की बेला पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने फ्लाइंग ऑफिसर प्रिया शर्मा के साथ 19 अगस्त को नाल से मिग-21 में एकल उड़ान भरी।

पाकिस्तान की साजिश फिर नाकाम

उड़ी में 20 मिनट तक हुई मुठभेड़ सुरक्षाबलों ने विफल की घुसपैठ

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

उत्तरी कश्मीर में उड़ी (बारामुला) सेक्टर में टुरना के पास एलओसी पर सेना के जवानों ने सोमवार को आतंकियों की घुसपैठ के एक प्रयास को विफल बनाते हुए, उन्हें वापस मार भगाया। सोमवार सुबह तड़के उड़ी सेक्टर में एलओसी के साथ सटे टुरना इलाके में सेना के जवानों ने एलओसी के पार से कुछ हथियारबंद आतंकियों को भारतीय इलाके की तरफ आते देखा। जवानों ने आस पास की सभी चौकियों को

सचेत करते हुए वहां अपनी पोजीशन संभाली और घुसपैठियों पर नजर रखी। जैसे ही वह भारतीय सीमा में दाखिल होने लगे, जवानों ने उन्हें ललकारते हुए सरेंडर के लिए कहा। जवानों की ललकार सुनते ही घुसपैठियों ने जिनकी संख्या से तीन से चार बताई जाती है।

भारत सरकार को मिली सफलता

कैमरून में फंसे 17 मजदूरों की हुई स्वदेश वापसी, 2 और आज आएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद अफ्रीकी देश कैमरून में फंसे झारखंड के 19 में से 17 मजदूरों की सुरक्षित स्वदेश वापसी हो गई है।

ये मजदूर बोकारो और हजारीबाग जिले के रहने वाले हैं। सोमवार को सभी अपने घर पहुंच गए। बताया गया है कि दो अन्य मजदूरों की वापसी 26 अगस्त को होगी। ये मजदूर एक एजेंसी के जरिए कैमरून में बिजली ट्रांसमिशन का काम करने वाली ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड कंपनी में मजदूरी करने ले जाए गए थे। इस कंपनी ने उनका चार महीने का वेतन रोक रखा था। वेतन बंद होने से उनके सामने खाने-पीने और अन्य बुनियादी जरूरतों का संकट खड़ा हो गया था।

रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार की अमेरिकी प्रशासन को दो टूक

जहां से भी हमें 'बेस्ट डील' मिलेगी, वहां से तेल खरीदेंगे

रॉयल पत्रिका

केंद्र सरकार ने आज बुलाई उच्च-स्तरीय बैठक, कल से लागू होगा ट्रंप का 50 फीसदी पूर्ण टैरिफ

भारत पर कल यानी बुधवार से पूरी तरह से लागू होने वाले अमेरिका के 50 फीसदी पारस्परिक टैरिफ के बीच रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा है कि दुनिया में जहां कहीं से भी भारतीय कंपनियों को तेल के संबंध में बेहतरीन सौदा (बेस्ट डील) मिलेगा, वो वहां से लगातार तेल की खरीद करेंगी। भारत अपने राष्ट्रीय हितों और 140 करोड़ देशवासियों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। इन सबके बीच टैरिफ के भारतीय निर्यातकों पर पड़ने वाले प्रभावों की समीक्षा के लिए 26 अगस्त को केंद्र सरकार द्वारा एक उच्च-स्तरीय बैठक भी बुलाई गई है। वहीं, अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के तेल व्यापार से जुड़े राजस्व में कमी करके उसे यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए मजबूर करने के मकसद से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्थिरता में मदद

विनय कुमार ने कहा कि व्यापार मुख्य रूप से व्यापारिक आधार पर निर्भर करता है। जिसमें स्वदेशी कंपनियों को जहां बेहतरीन मौका मिलेगा। वो वहां से अपना व्यापार करेंगी। वर्तमान स्थिति में हमने साफ किया है कि हमारा उद्देश्य 140 करोड़ लोगों की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति और उसके साथ-साथ रूस और कुछ अन्य देशों के साथ हमारे सहयोग से जुड़ा हुआ है। जो कि तेल बाजार खासकर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में स्थिरता लाने में मददगार है।

यूएस का निर्णय अनुचित और अविवेकपूर्ण

भारत के राजदूत ने वाशिंगटन के निर्णय को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत की सरकार अपने देश की आम जनता के हितों (राष्ट्रीय) की रक्षा करेगी। वहीं, हमारी अब तक ऊर्जा की खरीद जिसमें रूस से जारी तेल खरीद भी शामिल है। वो पूरी तरह से राष्ट्रीय हितों और बाजार की स्थिति पर निर्भर करती है। कुमार ने स्पष्ट किया कि भारत और रूस का व्यापार आपसी हितों, बाजार कारकों के तहत किया जाता है। जिसका अंततः उद्देश्य अपने लोगों की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करना है।

नहीं चाहते तो मत खरीदिए: जयशंकर

बता दें, बीते शनिवार को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा था कि यह हास्यास्पद है कि अमेरिका में जो लोग व्यापार समर्थक हैं। वो बाकी देशों को व्यापार की सीख दे रहे हैं। अगर आपको भारत के तेल और अन्य उत्पादों को खरीदने में परेशानी है तो उन्हें मत खरीदिए। इसके लिए कोई आपको मजबूर नहीं कर रहा है। लेकिन यूरोप खरीद रहा है, अमेरिका खरीद रहा है। अगर आप नहीं चाहते तो मत खरीदिए।

भव्य स्वागत से अभिभूत अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला बोले

यह सपना नहीं हकीकत, जब सारी दुनिया 'नासा' की बजाए 'इसरो' की बात करेगी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

अंतरिक्ष यात्री और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने सोमवार को कहा कि भारत अंतरिक्ष अन्वेषण में तेजी से आगे बढ़ रहा है और वह दिन दूर नहीं है जब दुनिया 'नासा' की बजाए 'इसरो' की बात करेगी, यह बस कुछ ही समय की बात है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिका का 'नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा), दोनों ही अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाली एजेंसी हैं।

मैंने लगभग 2,000 सेल्फी ली होंगी

शुभांशु शुक्ला ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब लोग नासा की बजाय इसरो की बात करेंगे। मेरा मानना है कि यह कोई सपना नहीं, बल्कि एक हकीकत है जो साकार होने का इंतजार कर रही है। शुभांशु ने मुस्कुराते हुए कहा कि आज सुबह लगभग साढ़े सात बजे लखनऊ पहुंचने के बाद से मैंने लगभग 2,000 सेल्फी ली होंगी।

60 वैज्ञानिक प्रयोग किए

शुक्ला ने बताया कि उनकी टीम ने अंतरिक्ष में 60 वैज्ञानिक प्रयोग किए जिनमें से 7 भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा डिजाइन किए गए थे। गौरवपूर्ण क्षण हमारे वैज्ञानिकों द्वारा तय किए गए प्रयोगों को करना था। उन्हें पहली बार सूक्ष्म-गुरुत्व से जुड़ा अनुसंधान करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि असली उपलब्धि केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि इस मिशन ने अंतरिक्ष में भविष्य के भारतीय अनुसंधान के लिए जो द्वार खोले हैं, वे हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,